श्री सिद्धि विनायक
हार्ट केयर
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
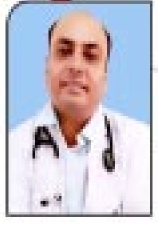
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 84 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 05 जनवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

पंचायत भवन स्वीकृत, आंगनवाड़िया कर रही इंतजार

बिना बिजली किराये के मकानों में हो रहा संचालन, विधानसभा में भी उठ चुका है मामला

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। आंगनवाड़ियों को हाईटेक करने के लिए सरकार ने करोड़ो रुपए खर्च किए। लेकिन, आंगनवाड़ियों के भवनों की दशा दिशा और व्यवस्था को लेकर कोई प्रयास नहीं किए गए। विधायक विपीन जैन ने छह माह पहले पंचायतों के भवन का मुद्दा उठाया था। साथ ही आंगनवाड़ी में बिजली व्यवस्था को लेकर भी सवाल किए थे। पंचायत भवनों के लिए हाल ही मे 11 करोड़ 62 लाख की स्वीकृति मिली है। जिससे 31 भवन बनाए जाएंगे। लेकिन, आंगनवाड़ी में अभी भी बिजली व्यवस्था को लेकर कोई खास प्रयास नहीं हुए। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है आंगनवाड़ियों के भवनों का। छोटे से किराये के भवनों में आंगनवाड़िया चल रही है। स्थिति यह है कि पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं ही कई जगहों पर नहीं है।

343 में बिजली व्यवस्था ही नहीं...

जिले में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों में कल का भविष्य बनने वाले बच्चों के लिए ना तो केन्द्रों पर विद्युत व्यवस्था है और न हीं उनके लिए गर्मी से राहत देने के लिए पंखे। छह माह पहले मंदसौर विधायक विपिन जैन ने विधानसभा में विभाग के माध्यम से प्रश्न कर जानकारी मांगी थी कि मंदसौर जिले में कितनी आंगनवाड़ी केन्द्रों पर बिजली कनेक्शन और लाइट, पंखों की व्यवस्था है। इसमें विभाग द्वारा सदन में बताया गया की जिले की 343 आंगनवाड़ी केन्द्रों में विद्युत व्यवस्था नहीं है, इनमें मंदसौर उपखंड की 58, सीतामऊ की 40, गरोठ की 102, मल्हारगढ़ की 54, भानपुरा की 89 आंगनवाड़ी शामिल है।

मैदान तो दूर, शौचालय तक नहीं...

जिले में लगभग 1650 आंगनवाडी और मिनी आंगनवाडी केंद्र है। इसमें अधिकांश या तो किराये के मकान में या सरकारी स्कूलों में चल रही है। आंगनवाडी को लेकर सरकार की सोच है कि मासूम बच्चों का मानसिक के साथ शारीरिक विकास भी हो। लेकिन आंगनवाड़ियों में मैदान तो ठीक छोटे से कमरे में बैठने तक व्यवस्था नहीं है। शुद्ध पेयजल, पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। आंगनवाडी भवनों को सरकारी भवनों में स्थानांतरित करने और शौचालय उपलब्ध कराने के निर्देश सिर्फ कागजों पर ही चल रहे हैं।

तीनों मौसम में परेशानी...

कई आंगनवाड़ी में बिजली नहीं है। इससे कम प्रकाश वाले कमरों में भी बच्चों को काफी परेशानी होती है। पंखे नहीं होने से गर्मी में बच्चों को दिक्कत होती है। बारिश में अंदर पानी आने से कई आंगनवाड़ियों में अघोषित अवकाश हो जाता है।

ये सुविधाएं होना अनिवार्य...

✼ सूचना पटल जिस पर सप्ताह के कार्यक्रम, मीनू, समय व केंद्र का नाम हो। ✼ दीवारों पर चित्र, जो शाला पूर्व शिक्षा तथा नैतिक बातों का ज्ञान कराएं। ✼ बर्तन और पोषण आहार वितरण की व्यवस्था के लिए संसाधन। ✼ खेलने की जगह, पढ़ाई के लिए अलग कक्ष ✼ बच्चों के उपयोग के लिए सुविधाघर। ✼ बैठक के लिए पर्याप्त व्यवस्था। ✼ शुद्ध पेयजल की व्यवस्था। ✼ शिक्षण सामग्री की उचित व्यवस्था।

लोकायुक्त ने नायब तहसीलदार को दिया नोटिस, उज्जैन बुलाया

बाबू द्वारा रिश्वत लेने के मामले में करेंगे पूछताछ

रतलाम, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के नामली तहसील कार्यालय में रिश्वत लेने वाले बाबू के मामले में नायब तहसीलदार को भी तलब किया गया है। लोकायुक्त ने नामली नायब तहसीलदार मनोज चौहान को नोटिस देकर उज्जैन बुलाया है। रिश्वत मामले में नायब तहसीलदार की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। इस कारण लोकायुक्त ने नोटिस जारी किया है। नायब तहसीलदार को 07 जनवरी को उज्जैन लोकायुक्त कार्यालय में पूछताछ होगी।

बता दें कि उज्जैन लोकायुक्त ने रतलाम के नामली तहसील ऑफिस के बाबू प्रकाश पलासिया को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते गुरुवार को गिरफ्तार किया था। पंचेड़ निवासी गणपत पिता दयाराम हाडा की शिकायत पर लोकायुक्त ने कार्रवाई की थी। बाबू ने फरियादी के पक्ष में फैसला देने के लिए 40 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी। पूर्व में 5 हजार रुपए लिए और शेष 35 हजार तीन-चार दिन में देने को कहा। गणेश ने लोकायुक्त उज्जैन को शिकायत की। प्लान के मुताबिक गुरुवार को किसान को 15 हजार रुपए देकर क्लर्क के पास भेजा। क्लर्क ने फरियादी से अपनी टेबल की दराज में रुपए रखवाए। रुपए रखते ही लोकायुक्त टीम को इशारा मिला और क्लर्क को गिरफ्तार कर रुपए जब्त किए।

शिकायतकर्ता गणपत ने बताया ग्राम पंचेड़ में स्थित कृषि भूमि उसके पिता की मृत्यु के बाद स्वयं व उसके भाई, बहन व मां के नाम पर नामांतरण कर राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया था। कुछ समय बाद परिवार वालों ने उक्त भूमि उसे धोखे में रख जितेंद्र जाट को बेच दी। जिसके नामांतरण पर फरियादी तहसील ऑफिस में आपत्ति लगाई थी। आपत्ति के पक्ष में फैसला देने के लिए रिश्वत मांगी जा रही थी। इस पूरे घटनाक्रम में फरियादी ने नायब तहसीलदार का भी नाम लिया है।

प्रयागराज: 13 जनवरी से शुरू हो रहा है महाकुंभ

महाकुंभ 2025 शाही स्नान की तिथियां...

- ✼ 13 जनवरी 2025 – पौष पूर्णिमा स्नान
- ✼ 14 जनवरी 2025 – मकर संक्रांति स्नान
- ✼ 29 जनवरी 2025 – मौनी अमावस्या स्नान
- ✼ 03 फरवरी 2025 – बसंत पंचमी स्नान
- ✼ 12 फरवरी 2025 – माघी पूर्णिमा स्नान
- ✼ 26 फरवरी 2025 – महाशिवरात्रि स्नान

प्रयागराज, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। हिन्दू धर्म में सबसे महत्वपूर्ण उत्सव महाकुंभ इस साल लगने जा रहा है। महाकुंभ का आयोजन 12 साल बाद होता है, जहां पर श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाते हैं। महाकुंभ का आयोजन चार तीर्थ स्थानों पर ही किया जाता है। इसका आयोजन प्रयागराज के संगम, हरिद्वार में गंगा नदी, उज्जैन में शिप्रा नदी और नासिक में गोदावरी नदी पर किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि महाकुंभ के दौरान पवित्र नदी में डुबकी लगाने से व्यक्ति को हर तरह के रोग-दोष और पापों से मुक्ति मिलती है।

कहां और कब से शुरु होगा महाकुंभ...

साल 2025 में महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में किया जाएगा। बता दें महाकुंभ 12 साल में एक बार लगता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार पौष पूर्णिमा के दिन महाकुंभ आरंभ होगा और महाशिवरात्रि के साथ ही यह समाप्त होगा। इस साल महाकुंभ 13 जनवरी से आरंभ होगा और 26 फरवरी 2025 को समाप्त होगा। यह महाकुंभ पूरे 45 दिन तक रहेगा.

महाकुंभ लगाने के लिए कैसे होता स्थान का चयन...

महाकुंभ लगने का निर्णय देवताओं के गुरु बृहस्पति और ग्रहों के राज्य सूर्य की स्थिति के हिसाब से किया जाता है। आइए जानते हैं किस स्थान पर मेला लगेगा, इसका निर्णय कैसे होता है।

हरिद्वार– जब देवगुरु बृहस्पति कुंभ राशि में और सूर्यदेव मेष राशि में होते हैं तब हरिद्वार में महाकुंभ का आयोजन किया जाता है।

उज्जैन– जब सूर्यदेव मेष राशि में और गुरु ग्रह सिंह राशि में होते हैं कुंभ मेले का आयोजन उज्जैन में किया जाता है।

नासिक– जब गुरु गृह और सूर्य देव दोनों ही सिंह राशि में विराजमान रहते हैं तो महाकुंभ मेले का आयोजन स्थल नासिक होता है।

प्रयागराज– जब गुरु ग्रह बृहस्पति वृषभ राशि में और ग्रहों के राजा मकर राशि में होते हैं तो महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में किया जाता है।

चिंता में डाल रहे नए रोगों के वेरिएंट

अब तीन राज्यों के अधिकारी करेंगे बैठक

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। वर्ष 2024 में वायरल बुखार, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया सहित नए वेरिएंट के मरीज ज्यादा सामने आए थे। इसको लेकर जनवरी के अंतिम सप्ताह में स्वास्थ्य विभाग 3 राज्यों की क्रॉस बार्डर बैठक करेगा। इसमें राजस्थान, गुजरात के साथ आसपास के जिलों के अधिकारी, राज्य सलाहकार, जिला मलेरिया अधिकारी, मलेरिया निरीक्षक, सुपरवाइजर, मेडिकल ऑफिसर, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, मलेरिया इंस्पेक्टर आदि शामिल होंगे। इसके लिए विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

वर्ष 2024 में वायरल बुखार, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया सहित अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीज आज तक पूरी तरह से स्वस्थ्य नहीं हो पाए है। अब सीमावर्ती क्षेत्र से आने वाले मरीजों की जानकारी रखने और नए वेरिएंट को लेकर सावधानी बरतने के लिए 24 जनवरी को बैठक होगी। इसका उद्देश्य अन्य राज्य व जिलों में आने-जाने वाले मरीजों की मॉनिटरिंग कर जानकारी साझा करना है, ताकि बीमारी फैलने का अंदेशा न रहे।

बता दें कि बीते वर्ष 2024 में चार हजार से अधिक लोगों को वायरल बुखा हुआ था। इसके साथ ही पिछले साल से कहीं अधिक डेंगू के मरीज सामने आए थे।

इन राज्यों के अधिकारी शामिल होंगे...

बैठक में मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, नीमच, आगर-मालवा, राजगढ़, गुना, श्योपुर, मुरैना, गुजरात के वडोदरा, दाहोद, राजस्थान के बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, चित्तौडगढ़, भीलवाड़ा, कोटा, झालावाड़, बारां, सवाई माधौपुर, कौली और धौलपुर जिलों के 80 से अधिक अधिकारी शामिल होंगे। बैठक सुबह 10 से शाम 5 बजे तक चलेगी।

नए वैरिएंट पर करेंगे चर्चा...

बैठक में 2024 के मरीजों के आंकड़ों के साथ बीमारी के नए वेरिएंट को लेकर चर्चा की जाएगी। इसमें वायरल बुखार के बाद हाथ-पैर में जकड़न, चांदीपुरा सहित अन्य नए वेरिएंट के बारे में प्रोजेक्टर के माध्यम से बताया जाएगा। साथ ही सुरक्षा और इंतजाम के बारे में जानकारी दी जाएगी।

बीजेपी :मंदसौर जिलाध्यक्ष को लेकर दिल्ली में चल रही खींचतान

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। बीजेपी जिला अध्यक्षों के चुनाव को लेकर प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। करीब आधा दर्जन जिलों में जिलाध्यक्ष के नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। इसमें मंदसौर भी शामिल है। मंदसौर में वैसे तो पैनल में चार नाम गए है। जिसमें राजेश दिक्षीत, अजयसिंह चौहान, अनिल कियावत व गणपतसिंह आंजना का नाम बताया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि इन तीनों के नाम पर पेंच अटका हुआ है। इसमें बड़े नेताओं में किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। यहीं कारण है कि नानालाल अटोलिया के वापिस रिपीट होने की भी संभावना बन रही है। इसके साथ ही अन्य नामों की चर्चाएं भी होने लगी है। फिलहाल देर रात तक सूची का इंतजार नेताओं को रहा। इधर मप्र के सबसे बड़े और आपसी खेमेबाजी के कारण चर्चा में रहे सागर जिले में भी जिलाध्यक्ष को लेकर चल रही खींचतान का बीजेपी ने तोड़ निकाल लिया है। अब सागर के साथ ही दूसरे बड़े जिले धार में दो-दो जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाएंगे।

बता दें कि मंदसौर जिले में पैनल के चार नाम राजेश दिक्षीत, अजयसिंह चौहान, अनिल कियावत और गणपतसिंह आंजना बताए जा रहे हैं। चूंकि प्रदेश में भाजपा द्वारा निर्धारित संख्या में महिला जिलाध्यक्ष की नियुक्ति करना है। ऐसे में जिले से सुषमा आर्य, प्रियंका गोस्वामी का नाम भी पैनल में दिया गया। लेकिन कहीं न कहीं नर्सिंग घोटाले की आंच प्रियंका गोस्वामी के नाम तक पहुंच रही है। इस कारण माना जा रहा है कि पैनल के तीनो नामों को लेकर घमासान चल रहा है। डिप्टी सीएम के खेमे से राजेश दिक्षीत आते हैं तो वहीं गणपत आंजना का नाम सांसद के खेमे से गया है। ऐसे में कहीं न कहीं इन दोनों नामों में से एक पर सहमति बनाने की मशक्कत की जा रही है। इनमें संघ से अजयसिंह चौहान का नाम भी प्रमुख है।

एमपी में होंगे बीजेपी के 62 संगठनात्मक जिले...

बीजेपी के संगठनात्मक रूप से मप्र में 60 जिले हैं। सागर और धार में भी शहर और ग्रामीण जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाएंगे। वर्तमान में ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन में ही शहर और ग्रामीण जिलाध्यक्ष हैं। रीवा से अलग कर बनाए गए मऊगंज में जिलाध्यक्ष पहले ही नियुक्त किया जा चुका है। अब सबसे बड़े दो जिलों सागर और धार में भी दो जिलाध्यक्ष होने के बाद एमपी में बीजेपी के 62 संगठनात्मक जिले हो जाएंगे।

इधर सागर में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह और गोपाल भार्गव जैसे दिग्गजों के बीच चल रही खींचतान जिलाध्यक्ष के चुनाव में खुलकर सामने आई है। भूपेन्द्र सिंह की ओर से पूर्व सांसद राजबहादुर सिंह का नाम जिलाध्यक्ष के लिए आगे बढ़ाया गया था। वहीं वर्तमान जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया फिर से अध्यक्ष बनने के लिए प्रयास कर रहे हैं। संगठन में विवाद खत्म करने के लिए अब शहर में महिला को कमान दी जा सकती है। ऐसे में पूर्व विधायक विनोद पंथी सागर की पहली महिला शहर अध्यक्ष बन सकती हैं। रायशुमारी में भी पंथी के पक्ष में अच्छे रुझान आए हैं।

आज आ सकती है पहली सूची...

बीजेपी के जिला अध्यक्षों की पहली सूची आज जारी हो सकती है। जिला अध्यक्षों के साथ ही प्रदेश प्रतिनिधियों की भी लिस्ट जारी होगी। प्रदेश के करीब 50 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। बीजेपी ने प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ऐसे में आज 40 से 50 के बीच जिलाध्यक्ष घोषित हो सकते हैं। बताया गया है कि करीब 50 जिलों में बीजेपी के जिलाध्यक्ष को लेकर सहमति बन गई है।

डेफिशिएंट कालेजों को लेकर असमंजस बरकरार

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में एडमिशन के लिए 4 हजार से ज्यादा छात्रों के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। लेकिन, अभी भी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कितने कॉलेज काउंसलिंग में शामिल होंगे और इनकी कुल कितनी सीट पर प्रवेश दिया जाएगा।

मप्र नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल (एमपीएनआरसी) द्वारा आयोजित एडमिशन काउंसलिंग में प्राइवेट कॉलेजों को भी शामिल किया जा रहा है। अब डेफिशिएंट (जिनमें कमियां पाई गई) कॉलेजों को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं कि ये कॉलेज काउंसलिंग में शामिल होंगे या नहीं? यदि इन कॉलेजों के संबंध में जल्द निर्णय लिए जाते हैं और ये कॉलेज कमी दूर करते हैं तो सीट संख्या बढ़ सकती है। कॉलेजों का कहना है कि कमेटी को तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए। बता दें कि बीएससी नर्सिंग और जीएनएम में प्रवेश के लिए आज 5 जनवरी तक रजिस्ट्रेशन होंगे। नर्सिंग कॉलेजों की गड़बड़ियों की सीबीआई जांच हुई थी। कॉलेजों को तीन कैटेगरी में बांटा गया। इनमें अनसुटेबल, सुटेबल और डेफिशिएंट शामिल हैं।

डेफिशिएंट कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि उनके संबंध में जल्द निर्णय लिए जाने चाहिए। ताकि वे भी एडमिशन प्रक्रिया में शामिल हो सकें। यदि इन्हें भी मान्यता मिलती है तो करीब 6 हजार सीट बढ़ सकती हैं। मप्र निजी विवि संघ के सेक्रेटरी डॉ. अजीत सिंह पटेल का कहना है कि डेफिशिएंट कॉलेजों ने अपनी कमियां दूर की हैं। इनका प्रमाणीकरण कर मान्यता का जल्द निर्णय लेना चाहिए, ताकि ये 2024-25 की एडमिशन प्रक्रिया में शामिल हो सकें। दरअसल, डेफिशिएंट कॉलेज न तो अनसुटेबल हैं और न ही सुटेबल। इनमें अलग-अलग तरह की कमियां हैं। इसके संबंध में हाईकोर्ट द्वारा बनाई गई तीन सदस्यों की कमेटी को निर्णय लेना है कि इन्हें मान्यता जारी की जा सकती है या नहीं। इसके लिए कुछ कॉलेजों में विजिट हो चुके हैं। इसके बाद कॉलेजों ने अपील भी कर दी है। अपील के बाद निर्णय लिया जाना शेष है। इन कॉलेजों के पास इनके खुद के हॉस्पिटल भी हैं।

दो युवकों से मारपीट, घायल

गरोठ, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। थाना अंतर्गत गांव देथली बुजुर्ग में शनिवार दोपहर 3:30 बजे गांव आक्या कुंवरपर्दा से क्रिकेट खेलने गए दो युवा शैलेंद्र रावत तथा भारत बैरागी के साथ गांव देथली बुजुर्ग के रहने वाले शैतान सिंह पिता हरजी बंजारा, तथा हरजी पिता नाथू बंजारा ने लोहे की राड से मारपीट की जिसमें भारत के हाथ में फैक्चर तथा शैलेंद्र के 10 टाके सर में आए हैं जिनका प्राथमिक उपचार गरोठ इंदिरा गांधी शासकीय चिकित्सालय में किया गया है। शैलेंद्र के चोट गंभीर होने से उसे रेफर करने की संभावनाएं व्यक्ति की जा रही है। थाना प्रभारी मनोज महाजन ने बताया कि गांव डेथली बुजुर्ग में क्रिकेट खेलने गए युवाओं के साथ शौच (पेशाब) की बात को लेकर लोहे की राड से पिता तथा पुत्र ने हमला कर दिया, जिस पर दो आरोपी शैतान तथा उसके पिता हरजी बंजारा के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है!

एक साल पहले हुई थी शादी, कुए में मिला शव

नीमच, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के सिटी थाना क्षेत्र के श्मशान के समीप शनिवार सुबह एक युवक का शव कुएं में मिला। घटना की जानकारी मिलते ही लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना पर सिटी थाना पुलिस भी पहुंची। इसके बाद रस्सी और चारपाई की मदद से युवक के शव को कुएं से बाहर निकाला।

मृतक की पहचान विष्णु पिता मांगीलाल रैगर उम्र 30 वर्ष निवासी रिटायर्ड कॉलोनी बघाना के रूप में हुई। मृतक शहर के एचडीएफसी बैंक में सेल्स मैनेजर के पद पर काम करता था। मृतक के बड़े भाई दशरथ वर्मा ने शव की पहचान करते हुए बताया कि शुक्रवार शाम 7 बजे से घर वालों से रात को लेट आने की बोलकर निकला था। लेकिन, सुबह तक नहीं आया। शनिवार सुबह उसकी लाश कुएं में मिली। बताया गया है कि एक साल पहले ही विष्णु का विवाह हुआ था। मौके से मृतक की बाइक भी पुलिस ने बरामद की है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए बड़े अस्पताल लाया गया है। जहां परिजनों के मौजूदगी में शव का पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मौत का कारण स्पष्ट नहीं...

मामले पर सीटी थाना प्रभारी विकास पटेल ने बताया कि युवक बघाना क्षेत्र का रहने वाला था। इस संबंध में जांच जारी है। परिजनों के बयान और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं है।

जयवर्धन सिंह के आने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह तो कुछ हताश भी रहे...

मंदसौर/उज्जैन, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला कांग्रेस पुनर्गठन की तैयारी जैसी मुहिम के चलते प्रदेश के पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह पर्यवेक्षक बनकर आए तो जिले के कार्यकर्ताओं ने अपना भरपूर उत्साह सार्वजनिक दर्शाया। जिला कांग्रेस कार्यालय में उनका स्वागत शानदार रहा पर कार्यक्रम सतही रहा। किसी कार्यकर्ता पदाधिकारी को बोलने का अवसर नहीं दिया गया। अपने उद्बोधन मे संगठन की बात कह कर चले गए। जबकि, अनेक पदाधिकारी संगठन की गतिविधियों से ही पर्यवेक्षक को अवगत कराना चाहते थे। जिले भर के विधानसभा, जिला पंचायत, जनपद वार्ड तक के कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने बड़ी उम्मीद से शिरकत की थी। कांग्रेस कार्यालय गांधी चौराहे पर जयवर्धन के आगमन पर वर्षों बाद सम्मानजनक भीड़ और कार्यकर्ताओं में उत्साह नजर आया था। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे होने के कारण आम जनमानस में भी परिचय का अभाव नजर नहीं आया।

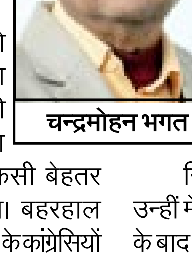
चन्द्रमोहन भगत

कांग्रेस कार्यकर्ता तो बहुत खुश थे की नई जिला संगठन के गठन की जिम्मेदारी भी एक युवा नेता के जिम्मे है। इसलिए किसी बेहतर अनुभवी का चयन होगा। बहरहाल उम्मीद और आस जिले भर के कांग्रेसियों ने जयवर्धन से लगा रखी है। कारण भी साफ है कि बीते समय में बटुक शंकर जोशी मुजीब कुरेशी, प्रेमचंद गुड्डू, अर्चना जायसवाल, दिनेश जैन बॉस जिले के प्रभारी बनते रहे। पर कोई भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश नहीं भर पाए थे। इस कारण जनसाख में भी इजाफा नहीं हुआ था। इन सभी प्रभारियों की पहली यात्रा के मुकाबले जयवर्धन की पहली यात्रा में कार्यकर्ताओं की संख्या के साथ उत्साह भी नजर आया था।

जिन में उत्साह नजर आया था, उन्हीं में से कुछ में कार्यक्रम की समाप्ति के बाद यह हताशा भी थी कि किसी को भी कुछ बोलने का अवसर नहीं दिया गया। कांतिलाल राठौर जैसे वरिष्ठ नेता भी कुछ बोलने के लिए खड़े हुए थे। किन्तु, अनुशासन का हवाला देकर बैठा दिया था। इसके अलावा जिला बहुत फैला हुआ है, गरोठ भानपुरा की दूरी 100-125 किलोमीटर होगी और सीतामऊ, सुवासरा, शामगढ़ इनकी दूरी औसत 40 से 70 किलोमीटर तक होगी। ऐसे में क्षेत्रीय भावी नेता अपने समर्थकों की टीम लेकर दो से अधिक वाहनों में जूगत कर लाए थे। महंगाई के दौर में पैसा खर्च कर जिला मुख्यालय तक आना और सिर्फ पर्यवेक्षक को सुनना महंगा पड़ गया। कार्यालय के कार्यक्रम की समाप्ति के बाद कार्यकर्ताओं को यह कहते सुना भी सुना गया कि सिर्फ अपनी ही सुनाना था तो मोबाइल पर ही मुख्यालय से संदेश भेज देते। बिना खर्च किए सुन लेते। चूंकि मुख्यालय का संदेश रहता इसलिए सभी अनुपालन भी करते, दिनभर की मशक्कत और शक्ति प्रदर्शन में समय जाया नहीं होता।

इसके विपरीत जिला कांग्रेस प्रवक्ता राज नारायण लाड़ ने कहा कि कार्यालय के बाद सभी को सर्किट हाउस बुलाया था। वहां हमारे नेता ने सभी क्षेत्र के कार्यकर्ता समूह से अलग-अलग खासा समय देकर आपकी चर्चाएं की थी। बाहरी क्षेत्र के जितने भी नेता कार्यकर्ता आए थे, सभी जयवर्धन सिंह से मुलाकात कर संतुष्ट थे। आगामी 6-7 जनवरी को ब्लॉकों में जाकर कार्यकर्ताओं से मिलकर उनका उत्साहवर्धन भी करने वाले हैं।

विचार-मंथन

हिंसा की 77 फीसदी घटनाएं अकेले मणिपुर से...

जातीय हिंसा से त्रस्त घायल मणिपुर को समाधान का इंतजार है। मणिपुर जलता रहा और हल ढूंढने में न तो केंद्र ने और न ही राज्य की सरकार ने कभी राजनीतिक इच्छाशक्ति का इजहार किया। वहां हालात बेहद खराब रहे हैं। गृह मंत्रालय की ताजा रपट से यह स्पष्ट है। वर्ष 2023 में समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र में हुई हिंसा में से 77 फीसद घटनाएं मणिपुर में हुईं। वहां बहुसंख्यक मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में सैकड़ों नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान गई। महिलाओं पर अत्याचार के जिस तरह के वीडियो आए, वे किसी भी सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा थे। वहां तीन मई, 2023 को मैतेई और कुकी समुदायों के बीच बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा भड़क उठी। हिंसा का दौर अभी भी जारी है। जबकि सरकार का दावा है कि बीते कुछ महीनों से स्थिति नियंत्रण में है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अब जाकर राज्य में हुए जातीय संघर्ष के लिए माफी मांगी है और सभी समुदायों से पिछली गलतियों को भूलने तथा एक साथ रहने की अपील की है। प्रदेश में हुए जातीय संघर्ष में 250 से अधिक लोगों की जान चली गई है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। यह याद रखा जाएगा कि जब मणिपुर में हिंसा की कई घटनाएं राष्ट्रीय सुर्खियां बनीं, तब बीरेन सिंह या केंद्र की सरकार के स्तर पर चुप्पी रही। विपक्षी कांग्रेस तो अब तक यह सवाल पूछ रही है कि प्रधानमंत्री मणिपुर को लेकर चुप क्यों हैं? वे दुनिया भर की यात्रा कर रहे हैं, लेकिन मणिपुर जाने से परहेज क्यों करते हैं। दरअसल, वहां की स्थिति से निपटने में अक्षमता के बावजूद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह सत्ता में बने रहे, उनकी पार्टी उनके साथ हठपूर्वक खड़ी रही। इस मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल हुई। अब जबकि, वहां का समाज बुरी तरह से बंट गया और समरसता दूर की कौड़ी हो गई है, बीरेन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केंद्र सरकार ने वहां के लोगों को भरोसे में लिए बगैर दो फैसले लिए, जो विवादित रहे, भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाना और मुक्त आवागमन व्यवस्था खत्म करना। इन फैसलों का मणिपुर में कई आदिवासी संगठनों ने विरोध किया। सर्वोच्च न्यायालय ने वहां की स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए निगरानी और जांच समितियां गठित कर दी थीं। उसमें बाहरी राज्यों के पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया। उम्मीद बनी थी कि हिंसा की हकीकत जल्द ही सामने आएगी। मणिपुर कोई इतना बड़ा और जटिल राज्य नहीं है कि वहां की स्थितियों से निपटना मुश्किल हो। विवाद भी एक भ्रम की वजह से पैदा हुआ था। अगर सरकार संजीदा होती, तो दोनों समुदाय के लोगों को आमने-सामने बिठा कर मसले का हल निकाल चुकी होती। कोई भी कल्याणकारी सरकार इस तरह पैदा हो गई गृहयुद्ध जैसी स्थिति को हाथ पर हाथ धरे कैसे देख सकती है? शांति बहाली के लिए सभी पक्षकारों का आम सहमति पर आना जरूरी है। वहां जिस तरह से विवाद के जंगल और जमीन का मुद्दा, अवैध प्रवासियों की समस्या, नशीले पदार्थों की तस्करी का जाल और दूसरे कानूनी पहलू उभरते चले गए हैं, उससे स्पष्ट है कि गतिरोध कई मोर्चे पर है और इन सभी पर काम किए जाने की जरूरत है। भावनात्मक बातों से काम नहीं चलेगा। संवेदनशीलता के साथ गंभीर कदम उठाने की जरूरत है।

बांग्लादेश में नई स्कूली किताबों में बदवाल पर छिड़ी बहस

अरुणिम भुयान

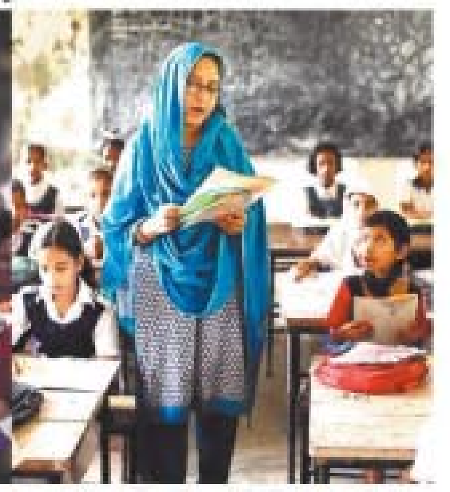

बांग्लादेश ने फैसला किया है कि प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के लिए नई पाठ्यपुस्तकों में दिवंगत राष्ट्रपति जियाउर रहमान को 1971 में देश की स्वतंत्रता की घोषणा करने वाले के रूप में शामिल किया जाएगा। इससे एक बार फिर बहस छिड़ सकती है। न्यूज वेबसाइट डेली स्टार की एक रिपोर्ट में बुधवार को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक बोर्ड के अध्यक्ष एकेएम रियाजुल हसन के हवाले से कहा गया, 2025 शैक्षणिक वर्ष के लिए नई पाठ्यपुस्तकों में लिखा होगा कि 26 मार्च, 1971 को जियाउर रहमान ने बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की और 27 मार्च को उन्होंने बंगबंधु (शेख मुजीबुर रहमान) की ओर से स्वतंत्रता की एक और घोषणा की। यह निर्णय ऐतिहासिक व्याख्या में बदलाव को दर्शाता है, जो बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के विवादित प्रस्तुतीकरण पर फिर से विचार करता है। यह घोषणा देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष की जटिलता को रेखांकित करती है, जहां शेख मुजीबुर रहमान और जियाउर रहमान जैसे लोगों ने 1971 की ऐतिहासिक घटनाओं में महत्वपूर्ण, लेकिन अलग भूमिकाएं निभाईं। बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा करने वाले के बारे में इतिहास बदलने का निर्णय अगस्त 2024 में अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद आया है। 1971 में सबसे पहले बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा किसने की, यह सवाल देश के इतिहास में सबसे अधिक बहस और राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दों में से एक है। यह मुद्दा बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की उथल-पुथल भरी घटनाओं और शेख मुजीबुर रहमान और जियाउर रहमान सहित प्रमुख व्यक्तियों द्वारा निभाई गई भूमिकाओं में निहित है। बदलते राजनीतिक माहौल और व्याख्याओं से प्रभावित होकर कहानी समय के साथ विकसित हुई है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, पाठ्यपुस्तकों में बदलाव करने की प्रक्रिया में शामिल लेखक और शोधकर्ता राखल राहा ने कहा कि उन्होंने पाठ्यपुस्तकों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए इतिहास से मुक्त करने का प्रयास किया। राहा के हवाले से कहा गया, पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने वालों ने पाया कि यह तथ्य-आधारित जानकारी नहीं थी कि शेख मुजीबुर रहमान ने पाकिस्तानी सेना द्वारा गिरफ्तार किए जाने के दौरान वायरलेस मैसेज (जिसमें स्वतंत्रता की घोषणा की गई थी) भेजा था, और इसलिए उन्होंने इसे हटाने का फैसला किया। आवामी लीग के समर्थकों का मानना है कि शेख मुजीबुर रहमान ने स्वतंत्रता की घोषणा की थी, और जियाउर रहमान ने मुजीब के निर्देश पर केवल घोषणा पढ़ी थी, जो उस समय सेना के मेजर थे और बाद में मुक्ति संग्राम के सेक्टर कमांडर थे। हालांकि, बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) के समर्थकों का मानना है कि उनकी पार्टी के संस्थापक और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान ने स्वतंत्रता की घोषणा की थी। सत्ता में रहने वाली सरकारों के अनुसार, कक्षा एक से 10 तक की पाठ्य पुस्तकों में बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा किसने की, इसकी जानकारी बदलती रही है। जब 1996 से 2001 तक अवामी लीग सत्ता में थी, तो पाठ्य पुस्तकों में कहा गया था कि शेख मुजीबुर रहमान ने स्वतंत्रता की घोषणा की और जियाउर रहमान ने घोषणा पढ़ी। दूसरी ओर, जब 2001 से 2006 तक बीएनपी सत्ता में थी, तो कहा गया था कि जियाउर रहमान ने स्वतंत्रता की घोषणा की थी। जियाउर रहमान 1977 से 1981 तक बांग्लादेश के छठे राष्ट्रपति थे और 1981 में उनकी हत्या कर दी गई थी। देश के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तियों में से एक रहमान ने मुक्ति संग्राम की शुरुआत में मार्च 1971 में चटगांव से बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा प्रसारित की। वह बीएनपी के संस्थापक थे। वह 1975 से 1978 तक बांग्लादेशी सेना के तीसरे प्रमुख थे। 27 मार्च 1971 को, पाकिस्तानी सेना के तत्कालीन बंगाली अधिकारी मेजर जियाउर रहमान ने चटगांव के कलुरघाट से रेडियो प्रसारण किया। प्रसारण में उन्होंने शेख मुजीबुर रहमान की ओर से बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की। जियाउर रहमान ने कहा था, यह स्वाधीन बांग्ला बेतार केंद्र (स्वतंत्र बंगाल रेडियो केंद्र) है। मैं, मेजर जियाउर रहमान, बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के निर्देश पर यह घोषणा करता हूं कि स्वतंत्र पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश की स्थापना हो गई है। शेख मुजीबुर रहमान के नाम पर, मैं सभी बंगालियों से पश्चिमी पाकिस्तान की सेना के हमले के खिलाफ उठ खड़े होने का आह्वान करता हूं। हम अपनी मातृभूमि को आजाद कराने के लिए आखिरी दम तक लड़ेंगे। अल्लाह की कृपा से, जीत हमारी होगी। जय बांग्ला। हालांकि, जो लोग जियाउर रहमान को बांग्लादेश की आजादी का पहला घोषणाकर्ता मानने का विरोध करते हैं, उनका कहना है कि 25 मार्च, 1971 को अपनी गिरफ्तारी से पहले शेख मुजीबुर रहमान ने कथित तौर पर आजादी की घोषणा की थी। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लोगों से पाकिस्तानी सेना का विरोध करने और आजादी के लिए लड़ने का आह्वान करते हुए हस्तलिखित संदेश जारी किया था। यह संदेश कथित तौर पर अवामी लीग के सदस्यों द्वारा प्रसारित किया गया था और स्थानीय स्तर पर प्रसारित किया गया था। बांग्लादेशी छात्रों के लिए ऐतिहासिक वर्णन में लगातार बदलाव एक चुनौती रही है। बांग्लादेशी शिक्षाविद और राजनीतिक पर्यवेक्षक शरीन शाजहान नाओमी ने ईटीवी भारत से कहा, बचपन में मैं उलझन में थी। लेकिन फिर, मुझे एहसास हुआ कि राजनीतिक रूप से समावेशी समाज बनाने के लिए, हमें इतिहास से शुरुआत करनी होगी। इसमें मुक्ति संग्राम में सभी के योगदान की ईमानदारी से स्वीकृति शामिल होनी चाहिए। नाओमी ने कहा कि शेख मुजीबुर रहमान और जियाउर रहमान के अलावा बहुत कम लोग चार अन्य नेताओं के योगदान के बारे में जानते हैं, जिन्हें चार जातियों के नेता के नाम से जाना जाता है।

चमक-दमक के साथ पेश होने पर जोर...

स्वरांगी साने

कुछ लोग उसे प्रारब्ध कहते हैं, कुछ नियति तो कुछ भाग्य का लिखा। अलग-अलग अवधारणाओं से यही बात निकलकर सामने आती है कि सब कुछ पूर्व निर्धारित होता है। हम किन लोगों से मिलते हैं, उनके साथ जीवन कितने समय का होता है आदि से लेकर हमारे जीवन में कितनी सांसें लिखी हैं, माना जाता है कि उसका लेखा-जोखा भी पहले से लिखा जा चुका है। यह ज्यादातर लोग इसे मानते हैं, लेकिन इसे मानने के अपने खतरे हैं। हम उन खतरों से भयभीत होते हैं। अगर यही समझ लिया कि सब कुछ पहले से लिखा है तो हम पर एक तरह की अकर्मण्यता हावी हो जाएगी। हम कुछ करने के हौसले से खुद को बचा ले जाएंगे। दूसरा खतरा इससे भी विकट है कि हम गहरे अवसाद में भी जा सकते हैं, यह सोचते हुए कि मैं कितना भी हाथ-पैर पटकूं, होना तो वही है, तो मेरे करने का क्या औचित्य! इस संदर्भ में अगर हम यह मानते हैं कि बिना परम शक्ति के एक पत्ता भी नहीं हिल सकता, तो साथ ही हम यह क्यों न मानें कि वही शक्ति हमें उद्दीप्त कर रही है कि हम कुछ ठोस कदम उठाएं, कुछ काम करें। दुनियावी रंगमंच पर हमें जो भूमिका मिली है, तो उसे भी पूरी शिद्दत से क्यों न निभाएं? कोई बड़ा काम करने के लिए धन-ऐश्वर्य की आवश्यकता नहीं होती। हमारे जिम्मे जो काम आया है, उसे हम बेहतरीन तरीके से कर सकते हैं। अगर साधन-संपन्न होना ही सुखी होना होता, तो कई बड़े नामी-गिरामी कलाकार आत्महत्या नहीं करते। कुछ तो उनके जीवन में भी उन्हें कचोटता होगा। हमारे दुख अलग हैं तो किसी और के दर्द हमसे जुदा। पर दुख, तकलीफें, पीड़ा सबके जीवन में हैं। जिसने जन्म लिया, उसके हिस्से उसके अपने कष्ट-भोग हैं और उसे सहना है। हमें तय करना है कि हम कांटों भरा ताज पहनने को तैयार हैं या रोते-बिलखते जिंदगी गुजार देना चाहते हैं। मनोरंजन के लिहाज से टीवी पर हम जो 'रियलिटी शो' देखते हैं, उसमें हर समय कैमरा हर कोण से उन किरदारों के हाव-भाव, गतिविधियां कैद रहा होता है। वैसा ही कुछ यह हमारा जीवन चल रहा है। छोटे पर्दे पर हम जो देखते हैं, उसके दर्शक हम होते हैं तो हम एक पल के लिए यह मान सकते हैं कि हमारे जीवन के 'रियलिटी शो' का दर्शक कोई दैवीय ताकत है जो दुनियावी पर्दे पर सब देख रही है। हमारे हाथों में रिमोट होता है, लेकिन कई बार लगता है कि उस शक्ति के पास केवल रिमोट नहीं, हमारी जिंदगी की पूरी पटकथा भी है। अगर हमें मुख्य किरदार की भूमिका मिली है तो उसकी पटकथा भी वैसी ही होगी। हमारा पहनावा, संस्कार, घर-परिवार भी वैसा ही चुना जाएगा। कई बड़े लोगों को उनकी मृत्यु के बाद लोगों ने जाना कि अरे हमारे बीच कोई अलहदा होकर गया! सुकरात को उनके जीवनकाल में कुछ लोगों ने पागल भी कहा था। मुक्तिबोध गहरी विपन्नता में जीकर गए। इसलिए नायक को नायक जैसा दिखना भी हो, यह भी जरूरी नहीं। आज के युग में जब चमक-दमक के साथ पेश किए जाने या होने पर जोर दिया जाता है, हर कोई 'स्मार्ट' दिखना चाहता है, तब हो सकता है कि कोई बड़ा कलाकार इसलिए नजरअंदाज कर दिया जाए कि वह दिखने में साधारण है। या किसी के व्यक्तित्व के बारे में ध्यान दिलाने के लिए रोशनी न डाली जाए तो हम पहचान ही न पाएं कि अंधेरे के किसी कोने में हीरा धूल खाता पड़ा है। यों इसमें हीरे का भी कोई दोष नहीं। यह भी विचित्र है कि दुनिया ने हीरे को नहीं पहचाना। पर वैसे तो दुनिया का भी कोई दोष नहीं। उस हीरे को बनाया ही इसलिए गया था कि वह सबकी नजर में न आए। मोर तो जंगल में नाचता है, कोई देखे या न भी देखे, उसे कहां फर्क पड़ता है। मीरा का भजन है कि 'बड़े-बड़े नयन दिए मिरगन को, बन-बन फिरत उधारी।' मतलब हिरण बड़ी-बड़ी आंखें खोले जंगल में घूमता रहता है। अगर मोर या हिरण को ही इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई उसे देख रहा है या नहीं, कोई उसकी कद्र कर रहा है या नहीं तो हमें क्यों पड़ना चाहिए। हम तो मनुष्य हैं और कहने को हम बुद्धि में अन्य जानवरों की तुलना में श्रेष्ठ हैं। अगर हम बुद्धिमान हैं तो क्या हमें भी इस तरह नहीं सोचना चाहिए कि हमारे बारे में आकलन करने का दूसरों का क्या अधिकार है? हाथी बाजार में चलता है, बिना किसी की परवाह किए! सारी बातों का सार यह है कि हमें किसी भी बात के लिए हाय-तौबा करने की कोई जरूरत नहीं है। दीवार के आगे सिर पटकने से कुछ नहीं होता, यह हमें भी पता है। तो चिंता छोड़ा जाए उन्मुक्त होकर जीना सीख लिया जाए।

मनमोहन सिंह, आप याद रहेंगे

पिछले दो दिन के अखबार देख लीजिए। उनकी प्रशंसा में पन्ने रंगे पड़े हैं। सोशल मीडिया में सैकड़ों वीडियो और लेख उन पर साझा किए जा चुके हैं। एक व्यक्ति, जो पिछले 10 सालों से राजनीतिक वार्धक्य के अंधियारे में छिपा हो, उसके लिए सहज भूल जाने इतिहास की पोथियों में मेरा नाम कैसे दर्ज किया जाएगा? क्या यह सवाल मनमोहन सिंह को भी मथता रहता था? ऐसा न होता, तो वह अपने एक संवाददाता सम्मेलन में कतई यह नहीं कहते कि इतिहास मेरे प्रति अधिक उदार होगा। वैसे इस प्रश्न का उत्तर बहुत कठिन नहीं है। पिछले दो दिन के अखबार देख लीजिए। उनकी प्रशंसा में पन्ने रंगे पड़े हैं। सोशल मीडिया में सैकड़ों वीडियो और लेख उन पर साझा किए जा चुके हैं। एक व्यक्ति, जो पिछले 10 सालों से राजनीतिक वार्धक्य के अंधियारे में छिपा हो, उसके लिए सहज भूल जाने वाली इस दुनिया में ऐसा सम्मान सामान्य नहीं है। उनका काम यकीनन आने वाले वर्षों में उन्हें और अधिक मान्यता दिलाएगा। ऐसा कहने के पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि मैंने खुद मनमोहन सिंह को नजदीक से देखा है। उनके साथ दर्जन भर से अधिक विदेशी दौरों पर मैंने पाया कि जो लोग उन्हें कमजोर अथवा मौकापरस्त मानते हैं, वे सिरे से गलत हैं। कुछ उदाहरण देता हूं। हम बीजिंग की उड़ान पर थे। प्रधानमंत्री के तत्कालीन मीडिया सलाहकार संजय बारू ने सूचित किया कि कुछ ही देर में प्रधानमंत्री आप लोगों से रूबरू होंगे। उस समय मनमोहन सिंह की सरकार वामपंथी दलों के सहयोग की बैसाखियों पर टिकी हुई थी। वामपंथियों का मानना था कि भारत के लिए परमाणु बिजली संयंत्र आवश्यक नहीं हैं। वे अमेरिका से किसी भी समझौते के खिलाफ थे। उनका स्पष्ट मत था, अगर आपको अमेरिका से किसी भी तरह का समझौता करना है, तो कृपया नोट कर लें कि हम आपके साथ नहीं रहेंगे। इसका मतलब था, सरकार का गिर जाना। प्रधानमंत्री जैसे ही मीडिया से रूबरू हुए, सबसे पहला प्रश्न यही पूछ गया कि आपकी हुकूमत वाम दलों की मर्जी पर निर्भर है, ऐसे में आप कैसे अमेरिका से समझौता करेंगे? जवाब मिला- 'जरूरी नहीं कि हमारी हर इच्छा पूरी हो जाए, कभी-कभी हमें व्यापक हित के लिए अपने कदम वापस खींचने पड़ते हैं।' मतलब साफ था कि भारत समझौते से पीछे हट रहा है। दर-हकीकत ऐसा नहीं था। मनमोहन सिंह ने जान-बूझकर अपने कदम पीछे खींचे थे। वह और उनकी पार्टी कांग्रेस अंदरखाने मुलायम सिंह यादव से बात कर रहे थे। समाजवादी पार्टी के पास उस समय इतने सांसद थे कि यदि वामपंथी पीछे हट जाते, तब भी सरकार नहीं गिरती। मनमोहन सिंह ने जान-बूझकर ऐसा जताया था कि वह अनिच्छापूर्वक पीछे हटे हैं, जबकि मशीनरी उसी दौरान अमेरिका से भी समझौते की अंतिम शर्तें तय करने में जुटी हुई थी। इसका खुलासा अगली विदेश यात्रा में हुआ। हम उनके साथ जापान को उड़ चले थे। इस बार सवाल पूछा गया कि आपकी मुलाकात जापान की धरती पर अमेरिकी राष्ट्रपति से होने वाली है? क्या आप उनसे परमाणु समझौते पर भी बात करेंगे? मनमोहन सिंह ने दृढ़ता से जवाब दिया- 'मैं अवश्य बात करूंगा।' अगला सवाल था कि ऐसे में तो वामपंथी आपसे समर्थन वापस ले लेंगे? उनका जवाब था- 'हमने कदम बढ़ा दिए हैं। कभी-कभी देशहित में जोखिम की जरूरत होती है। अब हमारे मित्रों को तय करना है कि वे साथ देंगे या नहीं?' वामपंथियों की प्रतिक्रिया अपेक्षा के अनुरूप थी। भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था कि कोई प्रधानमंत्री विदेश के लिए उड़ा हो, तब उसकी सरकार बहुमत में थी, मगर परदेस से लौटने के पहले ही सरकार अल्पमत में आ चुकी थी। वाम दलों ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। शेष कथा जगजाहिर है कि कैसे समाजवादी पार्टी ने मनमोहन सरकार का समर्थन किया। मनमोहन सिंह ने न केवल वह कार्यकाल पूरा किया।

महाराष्ट्र: मृत घोषित व्यक्ति स्पीड ब्रेकर के झटके से हुआ जिंदा

सुप्रीम कोर्ट का आदेश: केंद्रीय अधिकारियों पर एफआईआर के लिए सीबीआई को राज्यों की नहीं लेनी होगी अनुमति

नई दिल्ली, 04 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई को विभिन्न राज्यों के अधिकार क्षेत्र में तैनात केंद्रीय अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए राज्य सरकारों की अनुमति की जरूरत नहीं है। जस्टिस सीटी रविकुमार और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश को पलटते हुए की। हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामले में दो केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई जांच को रद्द कर दिया था।

पीठ ने 2 जनवरी के अपने आदेश में कहा कि नियुक्ति की जगह पर ध्यान दिए बिना तथ्यात्मक स्थिति यह है कि वे केंद्र सरकार के कर्मचारी हैं और कथित रूप से उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर अपराध किया है, जो एक केंद्रीय कानून है।

केंद्रीय कर्मचारियों ने दी थी चुनौती–मामला आंध्र प्रदेश में कार्यरत केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई की ओर से दर्ज की गई एफआईआर का है। दोनों केंद्रीय कर्मचारियों ने सीबीआई के अधिकार क्षेत्र को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने याचिका में तर्क दिया था कि दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (डीएसपीई अधिनियम) के तहत अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य की ओर से सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति विभाजन के बाद नवगठित आंध्र प्रदेश राज्य पर स्वत: लागू नहीं होती है। हाईकोर्ट ने दोनों कर्मचारियों के तर्क से सहमति जताते हुए एफआईआर रद्द कर दी और इस बात पर जोर दिया कि आंध्र प्रदेश से नए सिरे से सहमति लेना आवश्यक है।

हाईकोर्ट ने की गलती – 32 पेज का फैसला लिखने वाले जस्टिस सीटी रविकुमार ने हाईकोर्ट की व्याख्या से असहमति जताई। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने सीबीआई की जांच के लिए राज्य से नए सिरे से सहमति मांगने की बात कह गलती की। सुप्रीम कोर्ट ने एक सवाल तैयार किया था। क्या सीबीआई को किसी केंद्रीय अधिनियम के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए राज्य सरकार की सहमति की केवल इसलिए जरूरत है कि वह कर्मचारी किसी राज्य के क्षेत्र में काम करता है। शीर्ष अदालत ने फैसले में कहा कि ऐसी सहमति आवश्यक नहीं है क्योंकि संबंधित अपराध केंद्रीय कानून के तहत हैं और इसमें केंद्रीय सरकार के कर्मचारी शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष | वृषभ | मिथुन | कर्क | सिंह | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुंभ | मीन

बच्चों के कल्याण एवं पुनर्वास, शिक्षा, रोजगार के लिए दानदाता राशि दान करें

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग मंदसौर ने बताया किकिशोर न्यााय (बालक की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 नियम के तहत् स्थाापित/ संचालित प्राधिकरणों / संस्था ओं के सुदृढीकरण एवं निर्माण, बाल देखरेख संस्थातओं में आधारभूत सुविधाऐं, गुणवत्ताकपूर्ण एवं बाल अनुकूल वातावरण निर्माण तथौ बच्चोन के सर्वोत्तेम हित में उनके कल्य्ण एवं पुनर्वास, शिक्षा, रोजगार के लिए कौशल प्रशिक्षण तथा समाज की मुख्येधारा में पुर्नसमेकन एवं उनके विकास हेतु बैंक ऑफ महाराष्ट्र में एक बचत बैंक खाता क्रमांक 60411029562 किशोरन्यासय निधियोजना केनामसे खोला गया है। इस खाते में राशि दान कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत आयुष चिकित्सा शिविर संपन्न

नीमच, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर जमुनिया कला में आयुष विभाग' नीमच द्वारा जिला आयुष अधिकारी डॉ आशीष बोरना के निर्देशन में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर शनिवार को ग्राम पंचायत जमुनिया कला के ग्राम दलावदा में आयोजित किया गया जिसमें आमवात, संधिवात, वातरोग, उदररोग, विबन्ध, श्वास, कास, प्रतिशयाय, रक्तल्पता, मधुमेह, स्त्रीरोग, रक्तचाप, अर्श आदि बीमारियों की जांच कर नि:शुल्क ओषधि वितरित की गई। शिविर में बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन की निशुल्क जांच कर उन्हे स्वस्थ रहने हेतु आवश्यक परामर्श के साथ योग एवम प्राणायाम कराया गया। शिविर में कुल 181 रोगियों द्वारा स्वास्थ्य लाभ लिया गया। शिविर में डा बादर सिंह वास्केल, डॉ पंकज कुमार पाटीदार, डॉ विमला पाटीदार, कानसिंह राणावत, आजाद मंसूरी, भावना बैरागी, यतेंद्र राजावत, शैलेंद्र पाटीदार, विनीत सोनी, आनंद शर्मा, श्वेता जोशी आदि आयुष स्टाफ द्वारा सेवाएं दी गई। ग्राम की आशा कार्यकर्ता, आगनवाडी कार्यकर्ता, एवं सहायिका द्वारा शिविर में आवश्यक सहयोग किया गया।

कृषि मंत्री श्री कंसाना ने नीमच में गुर्जर समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

जिला गुर्जर समाज द्वारा नववर्ष मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

नीमच, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला गुर्जर समाज द्वारा टाउन हॉल नीमच में शनिवार को प्रदेश के किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिह कंसाना, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, गुर्जर महासभा के श्री देवेंद्र पटेल, म.प्र.देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष श्री रघुवीर सिह, विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, श्री दिलीप सिह परिहार, श्री अनिरूद्ध मारू के आतिथ्य में जिला स्तरीय नववर्ष मिलन समारोह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में न.पा.अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर मंदसौर, श्रीमती सुगनादेवी गुर्जर रतनगढ, पूर्व नीमच मंडी अध्यक्ष श्री उमरावसिह गुर्जर, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्री जगदीश गुर्जर, पूर्व जनपद अध्यक्ष मनासा श्री रतनलाल गुर्जर, गुर्जर समाज के जिला अध्यक्ष श्री चम्पालाल गुर्जर एवं ओबीसी महासभा उज्जैन संभाग के अध्यक्ष श्री देवा गुर्जर सहित समाज के प्रबुद्धजन एवं बड़ी संख्या में गुर्जर समाज का जनसमुदाय एवं छात्र-छात्राएं, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। प्रारंभ में मंत्री श्री कंसाना ने अतिथियों के साथ भगवान श्री देवनारायण की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री देवा गुर्जर, श्री चम्पालाल गुर्जर, श्री उमराव सिह गुर्जर, श्री महेन्द्रं गुर्जर श्री मनोहर लाल गुर्जर, श्री मदन गुर्जर, श्री श्याम गुर्जर एवं गुर्जर समाज के प्रबुद्धजनों ने पुष्पहार पहना कर मंत्री श्री कंसाना व अतिथियों का स्वागत किया और साफा बांधकर सम्मानित किया तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर मंत्री श्री कंसाना, म.प्र.देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष श्री रघुवीर सिह, सांसद श्री सुधीर गुप्ता एवं राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने अपने उदबोधन में प्रतिभा सम्मान समारोह को समाज की अनुकरणीय पहल बताते हुए कहा, कि ऐसे आयोजनों से समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। सभी ने इस आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई भी दी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने गुर्जर समाजजनों का आव्हान किया कि वे सामाजिक कुरितियों का त्याग कर अपने समाज को आगे बढ़ाए। उन्होने कहा, कि शिक्षा ही विकास की महत्वपूर्ण कडी है। समाज शिक्षित होगा, तो विकास अवश्य होगा। विधायक श्री दिलीपसिह परिहार ने पन्नाधाय की प्रतिमा स्थापना व चौराहे के विकास के लिए विधायक निधि से दो लाख रूपये और समाज की धर्मशाला निर्माण के लिए प्रति वर्ष पांच-पांच लाख रूपये गुर्जर समाज को विधायक निधि से प्रदान करने की बात कही। विधायक श्री अनिरूद्ध मारू ने भी गुर्जर समाज को, साहसी एवं मेहनती बताते हुए कहा, कि समाज में कुरूतियों को दूर करना चाहिये। उन्होरने सामाजिक कुरूतियों का त्याग करने की शुरूआत, सभी को स्व यं से करने का आव्हान किया। कार्यक्रम को श्री देवेन्द्र पटेल, जिला अध्यक्ष श्री चम्पालाल गुर्जर, श्री देवा गुर्जर, श्रीमती रमादेवी गुर्जर, श्री बंशीलाल गुर्जर मनासा, श्री उमराव सिह गुर्जर आदि ने भी सम्बोधित किया। गुर्जर समाज की छात्रा सुश्री जया गुर्जर, सेमली चंद्रावत, सुश्री नेहा गुर्जर झालरी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज के युवाओं की शिक्षा पर बल दिया और समाज के विद्यार्थियों के लिए जिला मुख्यालय पर छात्रावास निर्माण की आवश्यकता भी बताई।

नरसिंहपुरा में आयोजित श्री हनुमंत कथा का समापन

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। 29 दिसम्बर से नरसिंहपुरा स्थित हनुमंत धर्मशाला में आयोजित हो रही श्री हनुमंत कथा का कल शनिवार को समापन हुआ। कथा समापन अवसर पर श्री हनुमंत कथा के आयोजकों द्वारा सात दिवस तक व्यासपीठ पर विराजित होकर कथा का रसपान कराने वाले पं. दिलीपजी व्यास का सम्मान किया गया। पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, कैलाश पालीवाल, प्रकाश पालीवाल, वरदीचंद कुमावत, अंकुश पालीवाल, नीतेश पालीवाल, धर्मेन्द्र रामावत ने पं. दिलीपजी व्यास का साफा बांधकर एवं शाल ओढाकर सम्मान किया। श्री हनुमंत भक्त मण्डल, विहीप सामाजिक समरसता मंच, जिला धार्मिक उत्सव समिति एवं नरसिंहपुरा क्षेत्र के निवासियों के द्वारा संयुक्त रूप से पं. दिलीपजी व्यास का शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। कथा के समापन अवसर पर बडी संख्या में धर्मालुजन उपस्थित थे।

कथा आयोजकों द्वारा पं.पू. दिलीपजी व्यास का किया सम्मान

कथा के अंतिम दिवस शनिवार को पं. श्री दिलीपजी व्यास ने भगवान हनुमान की लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया। आपने राम जानकी विवाह के बाद की कथा श्रवण कराते हुए राम वन गमन, सीता हरण, राम रावण युद्ध व राम राज्याभिषेक की कथा श्रवण करायी। आपने कथा के अंतिम दिवस श्री हनुमानजी की लीलाओं का वर्णन करते हुये कहा कि सीता हरण के बाद राम-लक्ष्मण जी को जानकी की खोज के लिये वन-वन भटकना पडा। इसी दौरान उनकी हनुमानजी से भेंट हुई और राम सुग्रीव ने माता पिता की खोज के लिये श्री हनुमानजी को लंका भेजा। लंका में श्री हनुमानजी ने अद्भुत विरता प्रदर्शित की और रावण के द्वारा बंदी बनाये जाने के बाद लंका नगरी में आग लगा दी। हनुमानजी ने लंका में आग लगाकर उसके अहंकार को चूर चूर कर दिया। राम रावण युद्ध के पूर्व लक्ष्मण मेघनाद के युद्ध में जब लक्ष्मणजी मूर्छित हो गए तब श्री हनुमानजी ने हिमालय से संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा की। श्री हनुमानजी ने लंका में माता सीता की खोज में भी योगदान दिया और माता सीता को रामजी का संदेश दिया। आपने कहा कि रामचरित मानस में जो सुंदरकाण्ड की कथा है वह श्री हनुमानजी की अद्भुत वीरता को प्रदर्शित करती है जीवन में हमें सुंदरकांड का पाठ करना चाहिये। इससे हमारे जीवन में हनुमान जैसी वीरता तथा प्रभु के प्रति समर्पण की भावना आती है।

उन्होंने किया पोथी पूजन व आरती- श्री हनुमंत कथा के षष्ठम दिवस शुक्रवार की शाम को जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद, युवा नेता सोमिल नाहटा, समाजसेवी कमल कोठारी, प्रदीप गुप्ता शहर, अरविन्द मेहता, डॉ. गिरीश शर्मा, राजूभाई वाथरा, मनोहर नाहटा, पं. योगेश भट्ट, बाबूलाल कुमावत (नटखट भवन), बंशी राठौर, उत्सव जैन, कन्हैयालाल कुमावत, रमेश कुमावत, मुकेश सेठिया, प्रीतम जैन, विष्णु परिहार, विवेक खाबिया ने पोथी की आरती की शनिवार की शाम को कथा समापन अवसर पर पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, समाजसेवी नरेन्द्र बंधवार, कमलेश जैन जीवागंज, राकेश भाटी पंछी बचाओ, दिनेश जोशी, हेमन्त नामदेव, वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र धनोतिया, सुरेश भाटी, शंभुसेन राठौर, ब्रजेश मारोठिया, संजय भाटी, समाजसेवी दीपक माहेश्वरी, कुमावत महासभा के वरदीचंद कुमावत, गोवर्धन कुमावत, पार्षद राजूभाई मुण्डेल, राजेश अडानिया, ललित माचीवार, बंटी मुंडेल, बाबूभाई डूंगरवाल, गोपाल छापोला, सत्यनारायण मंडलिया, माणकलाल अडानिया, राजूभाई नागदा, दिलीप मरावण्डिया, चांदमल मण्डलिया, गोपाल पुछेरिया, मोहनलाल माण्डेला, सत्यनारायण रावरिया, राजूभाई रावरिया, अनिल रावरिया ने पोथी की आरती की।

अधिवक्ता उमराव सिंह जैन बाल कल्याण समिति मंदसौर के अध्यक्ष नियुक्त

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश राज्य सरकार द्वारा

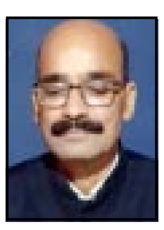

अधिवक्ता उमराव सिंह जैन बाल कल्याण समिति मंदसौर के अध्यक्ष नियुक्त हुए। बालकों की देखरेख एवं सरंक्षण के लिए अधिनियम 2015 (संशोधन 2021) की धारा 27,कीउप धारा (1),व (2) (किशोर न्याय नियम 2022(नियम 2016)का नियम 88(10) द्वारा प्रदत्त शक्तियों प्रयोग करते हुए अधिवक्ता उमराव सिंह जैन को बाल कल्याण समिति मंदसौर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सदस्यों में राजेश मेडतवाल, श्रीमती रजनी चौहान, राजेश तिवारी, विकास चौधरी को मंदसौर समिति में सदस्य बनाया गया। बतादें, अध्यक्ष उमरावसिंह जैन पुर्व मे बाल कल्याण समिति मंदसौर मे बतौर सदस्य 2021 से 2024 तक सेवारत रहे। संस्था रूरल पब्लिक सर्विसेस के विधक सलाहकार है। आप अनुभवी होकर सामाजिक क्षेत्र मे सक्रिय है। मिलनसार व्यक्तित्व के धनी उमराव सिंह जैन को अध्यक्ष नियुक्त होने पर संस्था एनजीओ आरपीएस के द्वारा बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

अभिषेक सेठिया राष्ट्रीय शालेय वालीबाल प्रतियोगिता हेतु कोच नियुक्त

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। 68 वी राष्ट्रीय शालेय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए मंदसौर नगर में

नि:शुल्क वॉलीबॉल कोचिंग देने वाले खेल शिक्षक श्री अभिषेक सेठिया को मध्य प्रदेश टीम का हिस्सा बनाया है। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल म.प्र. के द्वारा 19 वर्ष शालेय वॉलीबॉल टीम में कोचिंग के रुप में नियुक्त किया गया है स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के द्वारा 68 वी राष्ट्रीय शालेय 19 वर्ष बालिका वॉलीबॉल प्रतियोगिता 6 से 10 जनवरी तक विजयवाड़ा में आयोजित की जाएगी।

इसके पूर्व में भी अभिषेक सेठिया ने मध्यप्रदेश वॉलीबॉल टीम की कोचिंग कर चुके हैं। अभिषेक सेठिया श्री साई पब्लिक स्कूल दलौदा मंदसौर में खेल शिक्षक के रूप कार्यरत हैं और मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के माध्यम से मंदसौर नगर के खिलाड़ियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं और कई खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता भाग ले चुके हैं। इस अवसर पर वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह चौहान, जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंदसौर के खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, जिला क्रीड़ा अधिकारी मंदसौर बंशीलाल बारीवाल, पी.जी .कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, पूर्व क्रीड़ा अधिकारी मंदसौर अशोक शर्मा, श्री सॉई पब्लिक स्कूल दलौदा के संचालक मोहसिन अख्तर व सहायक संचालक नबील अख्तर, पी.जी .कॉलेज दलौदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज़्ज़ाक, शासकीय कन्या कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी मनीष पांचाल एवं मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सदस्यगण विनय दुबेला, संदीप खाबियॉ, शेर मोहम्मद खान, सज्जन श्रीमाल, रोहित शर्मा, अनिल पाटीदार, रउफ खान, रितेश पोरवाल, अनिल पाटीदार, मिलिंद सांखला, रंजन छाबड़ा, राजेंद्र सिंह,अक्षय नलवाया, मोहित शर्मा, अभिषेक यादव, पंकज मालवीय, आशीष रेठा,चयन माली, आस्था भावसार, विनय अग्रवाल, संयम चौहान, एंब्रोम्ज वॉल्टर, चंदन शर्मा, नारायण सिंह,कविता मेघवाल, आकृति जैन, नेहा सालवी ,दिव्यांशी गुप्ता, जानवी हाडा, नमन शर्मा, साक्षी ग्वाला, व मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री त्रिभुवन कविश्वर ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की यह जानकारी जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री त्रिभुवन कविश्वर ने दी।

प्रशिक्षण से जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आता है-श्रीमती पाटीदार

म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत मंदसौर जिले के मल्हारगढ विकासखंड के ग्राम बोतलगंज में सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार द्वारा किया गया। केंद्र स्व-सहायता समूहों एवं उनके सदस्यों को रोजगार एवं

आजीविका के नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

शुभारम अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार ने कहा की यह प्रशिक्षण केंद्र ग्रामीण समुदाय विशेषकर महिलाओं के कौशल को निखारने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। केंद्र महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होगा। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश जैन ने समूहों के सदस्यों को उच्च-स्तरीय गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने मिशन के उद्देश्यों को साकार करने के लिए समूहों के संगठित प्रयासों पर बल दिया। कार्यक्रम में जिला परियोजना प्रबंधक अनिल कुमार मरावी, जिला प्रबंधक श्रीमती फौजिया करीम, जिला प्रबंधक मो. नदीम ने कहा की सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाना और उनकी आजीविका को सुदृढ़ करना है। इस केंद्र के माध्यम से समूह के सदस्य विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कार्यों को अधिक प्रभावी और लाभदायक बना सकेंगे। शुभारंम अवसर पर संकुल स्तरीय संगठन के सभी पदाधिकारी एवं विकासखंड स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतिभा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह 13 को

शबाना मंसुरी को साईकिल और अंकित को स्मार्ट वॉच सहित सभी छात्र-छात्राएं होगें प्रोत्साहित

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय प्राथमिक विद्यालय डिगांवमाली में प्रतिवर्षोनुसार इस वर्ष भी वार्षीकोत्सव 13 जनवरी 2025 सोमवार को प्रात: 10:30 बजे से आयोजित किया जायेगा। जिसमे कक्षा 1 से 5 तक प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को स्व.श्री मोहनलाल पारीख साईकिल वाले मंदसौर की स्मृती मे आयोजित समारोह मे कक्षा 1 छात्रा खुशी को स्कुल बेग, कक्षा 2 में सोनाली दमामी को स्कुल बेग, कक्षा 3 मे रितीका दमामी स्मार्ट वॉच, कक्षा 4 मे अंकित सुर्यवंशी स्मार्ट वॉच, कक्षा 5 में शबाना मंसुरी को साईकिल देकर विशेष प्रतिभाओं को सम्मानित किया जायेगा।

इसी कड़ी में उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर के वरिष्ठ अध्यापक आशिष बंसल द्वारा उनी वस्त्र, टोपे तथा मौजे, वरिष्ठ अभिभाषक दिनेश कुमार जेठानिया खानपुरा के सहयोग से स्टेशनरी सामग्री कम्पास बाटल, स्वास्थ्य विभाग मंदसौर के अधीर भट्ट द्वारा स्टेशनरी सामग्री पेन कम्पास डिगांवमाली के व्यापारी अरविन्द जैन द्वारा पेन, पेंसील, कॉपी, रजिस्टर तथा डिगांवमाली के सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा स्टेशनरी तथा मंदसौर के सामाजिक कार्यकर्ता उमरावसिंह जैन, सत्यनारायण सोमानी, चैतन भावसार, गोविन्द हाड़ा द्वारा भी दैनिक दिनचर्या मे उपयोग आने वाली सामाग्री देकर प्रोत्साहित किया जायेगा। स्नेह भोज का आयोजन किया जायेगा। इस आशय की जानकारी देते हुए प्रभारी प्रधानध्यापक मनीष पारीख सर ने आयोजन को सफल बनाने हेतु आग्रह किया। साथ ही अन्य कोई सामाजिक संगठन या सामाजिक कार्यकर्ता भी शाला विकास मे सहयोगी बनकर नन्हे मुन्ने बच्चो को प्रोत्साहित कर सकते है तथा शाला विकास हेतु सामग्री भेट कर सकते है।

महिला पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी डा. श्रीमती रचना सिंहल की नियुक्ति

नीमच, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में योग के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढाने हेतु योग ऋषि स्वामी रामदेव जी के परम शिष्य एवं पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी डा. स्वामी परमार्थ देव जी की अनुशंसा से महिला पतंजलि योग समिति राज्य प्रभारी बहन श्रीमती सुधा जी त्रिवेदी द्वारा डा. श्रीमती रंजना सिंहल (जावद) को नीमच जिले की महिला पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी एवं श्रीमती दीपा राठौड को जिला महामंत्री, श्रीमती गर्ग टीना गहलोत को कोषाध्यक्ष एवं श्रीमती गायत्री गहलोत को संगठन मंत्री पद पर नियुक्त किया गया है! पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के जिले में पांच संगठन कार्यरत है जिनकी विवेचना करते हुए स्वामी परमार्थ देव जी द्वारा प्रथम चरण में नारी शक्ति को स्वस्थ्य, सशक्त और जागरूक बनाने हेतु यह परिवर्तन किया है उपरोक्त सभी बहनों द्वारा पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से योग में डिप्लोमा करते हुए सहयोग शिक्षक का प्रमाण पत्र प्राप्त कर जिले में योग की दिशा में गहन सक्रियता प्रदान की है! जिले की चारों बहिनों की नियुक्ति पर हर्ष प्रदान करते हुए पूर्व महिला पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी श्रीमती मीना जायसवाल एवं संवाद प्रभारी लाक्षाकार बालकृष्ण सोलंकी, जिला योग समिति अध्यक्ष गुणवंत गोयल द्वारा हर्ष व्यक्त किया एवं चारों बहिनों को बधाई देते हुए कहा कि निश्चित ही डा. रचना जी सिंहल के नैतृत्व में युवा बेटियों दीपा राठौड़, गर्ग टीना गहलोत एवं गायत्री गहलोत एक नई ऊर्जा के साथ इंट्रीग्रेटेड योग प्राणायाम से जिले की मातृशक्ति को दक्षता प्रदान करेगी और योग ऋषि स्वामी रामदेव जी के निर्धारित कार्यक्रम योग को घर घर एवं जन जन तक पहुँचाने के लक्ष को पूरा करेगी!

राइडर्स इन द वाइल्ड 3.0 की शुरूआत आज से

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वन्य-प्राणी, प्राकृतिक स्थल, कला-संस्कृति धरोहर के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से बाइकिंग इवेन्ट 'राइडर्स इन द वाइल्ड- 2025 (तृतीय संस्करण)' 05 जनवरी को शुरू किया जा रहा है।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भावसिंह लोधी एवं पर्यटन एवं संस्कृति विभाग प्रमुख सचिव एवं मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री शिवशेखर शुक्ला द्वारा द्वारा सात दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत एमपीटी के होटल 'विंड एंड वेव्स' से की जाएगी।

गांधी सागर 25 पहुंचेंगे सुपर बाइकर्स-इस अवसर पर देश व प्रदेश के लगभग 25 सुपर बाइकर्स अपनी सुपर बाइक साथ मध्य प्रदेश की राइड पर निकलेंगे। बाइकर्स, भोपाल, राजगढ़, झालाबढ़, गांधी सागर, चंदेरी, खजुराहो, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, परसिली, जबलपुर और भेड़ाघाट आदि पर्यटन स्थल पर जाएंगे और मध्य प्रदेश की सुंदरता को करीब से जानेंगे। कार्यक्रम का समापन 11 जनवरी को रायसेन जिले के भोजपुर में स्थित शिव मंदिर पर किया जाएगा।

एमपी ट्रांसको द्वारा मंदसौर विद्यालय में ऊर्जा संरक्षण जागरूकता शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। एम पी ट्रांसको (मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स इंदौर के अंतर्गत आने वाले टी.एल.एम. उपसंभाग मंदसौर द्वारा विभिन्न शासकीय विद्यालयों में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह में जागरूकता अभियान चलाया गया।

इसी क्रम में मंदसौर में शासकीय एकीकृत उ. मा. वि. क्रमांक 2 मंदसौर में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत ऊर्जा जागरूकता कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में ऊर्जा बचत के फायदे व ऊर्जा बचत कैसे की जा सकती है के बारे मे बताया गया। इस बारे मे छात्रो के भी विचार जाने गए। शिविर में विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक, सजग और सचेत रहने के लिये सरल भाषा में आवश्यक जानकारियां दी गई एवं विद्यालयों में ऊर्जा संरक्षण संबंधित स्टीकर, पम्पलेट भी वितरित किए गए। एम पी ट्रांसको इंदौर की अधीक्षण अभियंता श्रीमति नीलम खन्ना की पहल और मार्गदर्शन में यह जागरूकता अभियान मंदसौर सहित इंदौर, राजगढ, छैगांव, जुलवानिया, निमरानी, सुवासरा आदि जगह आयोजित किये गये। इन आयोजनो में विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकों एवं समस्त विद्यार्थियों ने उत्साह और उत्सुकतापूर्वक ऊर्जा संरक्षण के महत्व, विद्युत बचाने के तरीके और ऊर्जा संरक्षण के प्रति सभी को प्रेरित करने की आवश्यकता को समझा। विद्यार्थियों ने बारीकी से स्टार रेटिंग वाले फ्रिज, वाशिंग मशीन, पंखे, कूलर आदि के उपयोग से बिजली बचत की प्रक्रिया समझी और बिजली का बचत ही बिजली का उत्पादन है के स्लोगन को समझते हुये बिजली बचत की शपथ ली। मंदसौर के सहायक अभियंता श्री गौरव गोयल ,लाइन स्टाफ श्री प्रकाश प्रजापति आदि ने मंदसौर क्षेत्र में विशेष प्रयास कर ऊर्जा संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता फैलाने का उल्लेखनीय कार्य किया। इसी के साथ साथ जन धन हानि एवम विधुत दुर्घटना से बचने हेतु रोको टोको अभियान अंतर्गत पतंग उडाने के लिए चाईनीज डोरी का उपयोग नही करने हेतु शपथ भी दिलाई गई। इस जागरूकता शिविर में शासकीय एकीकृत उ. मा. वि. क्रमांक- 2 मंदसौर जिला मंदसौर के स्टाफ भी उपस्थित रहे। विद्यालय प्रशासन द्वारा स्वागत व आभार प्रकट किया गया।

रामकथा से पूर्व निकली कलश यात्रा से राममयी हुआ शहर

गाजे-बाजे से निकली यात्रा का स्वागत, पुष्प वर्षा से पटा पूरा यात्रा मार्ग

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री हरिकथा आयोजन समिति के तत्वावधान में आचार्य श्री रामनुजजी जी के मुखारविंद से आयोजित 9 दिवसीय रामकथा के प्रथम दिवस भगवान श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर से भव्य कलश यात्रा गाजे-बाजे, ढोल धमाके के साथ निकली जिसमे 1100 से अधिक मातृशक्ति ने मस्तक पर कलश धारण किए। पूरे यात्रा मार्ग पर विभिन्न समाजसेवी संगठनो एवं गणमान्य जनों ने स्वागत मंच बनाकर स्वागत किया और आचार्य श्री रामनुजजी एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल का सम्मान किया। पूरे रास्ते भर हुए स्वागत से पूरा मार्ग राममयी हो गया। कलश यात्रा में विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपालसिंह सिसोदिया समेत बड़ी संख्या में गणमान्य उपस्थित थे।

भगवान पशुपतिनाथ की पवित्र नगरी मंदसौर में श्री हरि कथा आयोजन समिति के तत्वाधान में आयोजित राम कथा को लेकर मातृशक्ति में अपार उत्साह का वातावरण था शनिवार की सुबह करीब 12:15 बजे भगवान श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर में पोथी जी का विशेष पूजन अर्चन अर्चन कर कलश यात्रा का श्री गणेश हुआ। गाजे- बाजे के साथ मंदिर से परिसर से कलश यात्रा प्रारंभ हुई कलश यात्रा दवा बाजार होते हुए जिला चिकित्सालय के सामने से गांधी चौराहा , बस स्टैंड बड़े बालाजी मंदिर से कालाखेत होटल नीलम के सामने से होती हुई नयापुरा रोड स्थित माहेश्वरी धर्मशाला पहुंची।

व्यक्ति की मुस्कुराहट किसी के प्रारब्ध को बदल देती है-श्री हरिकथा आयोजन समिति के तत्वावधान में दूसरी बार मन्दसौर के रुद्राक्ष भवन में आयोजित रामकथा में व्यास पीठ पर विराजित आचार्य श्री रामनुजजी ने प्रथम दिवस कहा कि मोंन और मुस्कुराहट में अदभुत शक्ति होती है इसलिए हो सके तो मोंन रहना सिखों जब शांति में चरित्र प्रकाशित होता है वह स्वयं शिक्षा दे देता है जो शक्ति शब्दो मे नही होती वह मोंन में होती है। लेकिन यदि कभी मोंन छोड़ने का मन करे तो वह शब्द पवित्रता के होना चाहिए क्योंकि बोलना बहुत आसान होता है,परन्तु आपका बोलना जब संगीत की साज की तरह हो जाए तो

समझना आत्मा बोल रही है। आचार्यश्री ने कहा कि अच्छे वक्त पर सब मिल जाएंगे मुस्कराने के लिए लेकिन जब परिस्थितिया अनुकूल ना हो धीरज,धरम, विवेक के सूत्र को अपना लो और थोड़ा रुक जाओ। आपका मुस्कुराना किसी के प्रारब्ध को बदल देगा। कथा प्रारंभ होने से पूर्व श्री हरि कथा आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए नौ दिवसीय राम कथा के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की और कहां की 21 कन्याओं के विवाह के पुनीत संकल्प के साथ राम कथा हो रही है जिसमें अक्षय तृतीया के अवसर पर कन्याओं का विवाह जन-जन के सहयोग से किया जाएगा विवाह में 100000 तक की सामग्री दानदाता और सहयोगियों के माध्यम से कन्याओं को दी जाएगी। आपने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि पुनीत भाव के साथ हो रही राम कथा के श्रवण का लाभ प्राप्त करें। प्रारंभ में मंगल दीप का प्रज्वलन आचार्य श्री रामनुजजी के सानिध्य में शिवकरण प्रधान और हरि कथा आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने किया। पोथी पूजन अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल सचिव सुरेश सोमानी कोषाध्यक्ष सत्यनारायण छापरवाल संयोजक मोहनलाल शर्मा जांगिड़ बृजेश जोशी सहसंयोजक हरीश गर्ग केडिया एवं गौरव रत्नावत ने किया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	56	2201	2671
उडद	32	5899	6767
सोयाबीन	2868	3501	4410
गैहु	1499	3004	3234
चना	67	5000	6361
मसुर	62	4801	6211
धनिया	118	56000	7201
लहसुन	10000	12100	25000
मैथी	400	4400	6090
मुंगफली	2086	4500	5341
अलसी	976	5500	6150
सरसो	256	5581	5810
तारामीरा	1	4780	4780
इसबगोल	76	9000	12601
प्याज	11000	850	2500
कलोंजी	10	13801	18000
तुलसी बीज	4	11401	12501
डॉलर	22	6800	10900
तिल्ली	26	10300	12300
जौ	6	2783	2783
मटरसुखी	2	1601	6001
असालीया	4	11501	12651
चियाबीज	7	15600	15900

मासूम बालिका को न्याय दिलाने की मांग को लेकर जिला व शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने दिया धरना

शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर एवं कांग्रेस नेताओं ने 5 घंटे उपवास किया

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। पिछले 8 दिन पूर्व मंदसौर जिले के भावगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम मजेसरा के पास एक बारे में 13 वर्षीय बालिका की लाश मिली थी, 8 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा उस बालिका की शिनाख्त तक नहीं कर पाई, आरोपियों की गिरफ्तारी तो दूर की बात है। इस मामले को लेकर मंदसौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर गांधी चौराहा पर सुबह 9 बजे उपवास धरना पर बैठ गए। धरना उपवास की खबर जैसे ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लगी एक-एक करते हुए धरना स्थल पर कार्यकर्ता पहुंचने लगे और इस धरना प्रदर्शन के समर्थन में धरना स्थल पर बैठ गए।

दोपहर में डेढ बजे पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि के रूप में नगर पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह धरना स्थल पर पहुंचे और जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन एवं शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर तथा कांग्रेस नेताओं से चर्चा कर आरोपियों की जानकारी देने वाले को 10 हजार रुपए का इनाम व आरोपियों को 7 दिन में गिरफ्तार करने का ठोस आश्वासन जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से दिया गया एवं शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर का अनशन तुड़वाया। उपवास धरना में शामिल होने वालों में जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटिल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, मनजीत सिंह टुटेजा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यकारिणी में सर्वश्री महेंद्र सिंह गुर्जर, सोमिल नाहटा, फौजी जगदीश धनगर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहन सिंह चौहान, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मो. हनीफ शेख, जिला कांग्रेस पदाधिकारी में सर्वश्री तरुण खींची, अजय लोढ़ा, आदित्य पाटील, कमलेश सोनी अनूप जोशी सुश्री इष्टा भाचावत, मो. खलील पठान, राजनारायण लाड, सकलेन करार, बलवंत सिंह चौहान, निर्विकार रातडिया, राजीव गुलाटी, राजेश फरक्या, माजिद चौधरी, संजय नाहर, वहीद जैदी, अनीता भदोरिया, राजेंद्र सेठिया, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, विकास दशोरा, मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा मंदसौर नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, पिछड़ा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष दीपक सिंह गुर्जर, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अनीश मंसूरी, शहर ब्लॉक कार्यवाहक अध्यक्ष सलीम खान, शहर ब्लॉक कांग्रेस कार्यकारिणी में सर्वश्री अमीन खान, बाबू सब्जी फरोश, दिनेश नाई, प्रवीण जैन गजनफर खान, योगिता बैरागी कन्हैयालाल कुमावत, अभिषेक जैनमंडल अध्यक्ष रमेश ब्रिजवानी, दशरथ राठौर, नितेश सती दासानी, विजय जैन अजय सोनी, वकार खान सेक्टर अध्यक्ष सादिक गोरी, संजय बारोट अमीन खान, इसके साथ ही मनोहर नाहटा, मनोज जैन, साबिर भाई मदारी, मजहर खान, भंवरलाल कुमावत शुभम जैन मुबारिक हुसैन खिलजीपुरा, भेरूलाल कुमावत, आसिफ अली सैयद आदि इस अवसर पर उपस्थित थे।

छात्राओं को 10 महीने मिलेंगे 500 रुपये

गांव की बेटी और प्रतिभा किरण योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, छात्राओ को मिलेंगे 500 रूपए महीना

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कॉलेजों में पढ़ रहीं छात्राओं को प्रोत्साहन राशि देने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने प्रतिभा किरण और गांव की बेटी योजना में पंजीयन करने के लिए पोर्टल खोल दिया है।अब छात्राएं दोनों में से एक योजना में 500-500 रुपये प्रतिमाह लेने के लिए पंजीयन करा सकेंगी। पोर्टल फरवरी तक खुला रहेगा, इसमें पूर्व छात्राओं का नवीनीकरण किया जाएगा और वर्तमान सत्र में प्रवेश लेने वाली छात्राओं के नवीन पंजीयन होंगे।

12वीं में 60 फीसदी अंक और बीपीएल...

बता दें, गांव की बेटी योजना के लिए ग्रामीण छात्रा का ग्रामीण निवासी होना अनिवार्य है। वहीं 12वीं में 60 फीसद अंक होने के साथ उसका गरीबी रेखा के नीचे होना जरूरी है। इसके बाद विभाग उसे साल के 10 महीने 500-500 रुपये देगा। वहीं प्रतिभा किरण योजना के लिए शहरी क्षेत्र की छात्राओं को 12वीं में 60 फीसद अंक लाना अनिवार्य है। उसे भी 10 महीने तक 500-500 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। दोनों ही योजनाओं की लाभार्थी छात्राएं प्रदेश के किसी भी निजी या सरकारी कॉलेज में प्रवेश ले सकती हैं।

पीथमपुर में फिलहाल नहीं जलेगा यूनियन कार्बाइड का कचरा, जन आक्रोश के बीच सीएम का फैसला

भोपाल, 04 जनवरी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने जनभावनाओं का आदर करते हुए पीथमपुर में फिलहाल यूनियन कार्बाइड का कचरा नहीं जलाने का फैसला किया है। राजधानी भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड संयंत्र में जमा रासायनिक कचरे को जलाने के लिए पीथमपुर ले जाने पर जनता की ओर से काफी विरोध हुआ है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार की देर रात को अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की बैठक बुलाई और साथ ही ऐलान किया कि सरकार जनता का अहित किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस मामले पर सरकार के रुख की ताजा अपडेट दी। उन्होंने लिखा, हमारी सरकार ने पीथमपुर घटना के बारे में संज्ञान लिया है। हमारी सरकार जनकल्याणकारी, जनहितैषी तथा जन भावनाओं का आदर करती है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में यूनियन कार्बाइड के कचरे का परिवहन पीथमपुर में किया गया है। जनभावनाओं का आदर करते हुए माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष समस्त परिस्थितियों एवं व्यावहारिक कठिनाइयों के बारे में अवगत कराया जाएगा। इस संबंध में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं राजेंद्र शुक्ला, कैबिनेट के साथी कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, धार विधायक नीना विक्रम वर्मा, मुख्य सचिव सहित उच्च अधिकारियों के साथ अति आवश्यक बैठक ली। उन्होंने आगे कहा, मैं जनता से अपील करता हूं कि किसी भी अफवाह या भ्रम की खबरों पर विश्वास नहीं करे। मैं और मेरी सरकार आपके साथ है। उल्लेखनीय है कि भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड संयंत्र परिक्षेत्र में बीते 40 साल से रासायनिक कचरा जमा था, जिसे न्यायालय के निर्देश पर पीथमपुर ले जाया गया है। इस कचरे को रामकी इंडस्ट्रीज में जलाया जाना है। सरकार की ओर से की गई इस कोशिश का इंदौर सहित पीथमपुर और अन्य स्थानों पर विरोध शुरू हो गया है। पीथमपुर में तो दो युवकों ने आत्मदाह करने तक की कोशिश की। इंदौर तथा आसपास के इलाकों में बढ़ते विरोध को देखते हुए राज्य सरकार ने विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ जनप्रतिनिधियों से भी संवाद किया है। सभी को न्यायालय के आदेश के बारे में बताया गया। साथ ही किसी भी तरह का नुकसान न होने का भी दावा किया गया है।

मुख्यमंत्री निवास पर शुक्रवार की रात को हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में यूनियन कार्बाइड के कचरे के परिवहन एवं पीथमपुर के निकट डंप एवं निष्पादन किए जाने के संबंध में वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ ही विधिवेत्ताओं से विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और हाईकोर्ट के आदेश के परिपालन में यूनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर पहुंचाने का परिपालन किया गया है। हमने न्यायालय की याचिकाओं और आदेशों के तारतम्य में सुरक्षा मापदंडों का परिपालन करते हुए केवल परिवहन किया है। न्यायालय को 6 जनवरी तक इसकी रिपोर्ट अपेक्षित थी। सुरक्षा के मापदंडों पर किसी प्रकार से कोई खतरा या कोई डर का भाव जनता के बीच आया तो राज्य सरकार यह प्रयास करेगी कि न्यायालय के समक्ष यह विषय प्रस्तुत हो। इसके बाद न्यायालय जैसा आदेश देगा, हम उसका पालन करने के लिए तत्पर रहेंगे। तब तक हम आगे नहीं बढ़ेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में घने कोहरे का कहर, हवाई, रेल और सड़क यातायात प्रभावित

नई दिल्ली, 04 जनवरी। दिल्ली-NCR और उत्तर भारत में घने कोहरे और ठंड ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। कोहरे की वजह से दृश्यता शून्य तक पहुंच गई, जिससे हवाई, रेल और सड़क यातायात बुरी तरह बाधित हो गया है। शनिवार सुबह दिल्ली के खत्र्त्त्ख एयरपोर्ट पर दृश्यता शून्य रिकॉर्ड की गई, जिससे 150 से ज्यादा फ्लाइटस में देरी हुई। सुबह 8:30 बजे तक स्थिति बेहद खराब रही, हालांकि बाद में विजिबिलिटी 100-250 मीटर तक पहुंची। इंडिगो और एयर इंडिया समेत कई एयरलाइंस ने यात्रियों को सलाह दी है कि एयरपोर्ट आने से पहले फ्लाइट की स्थिति जांच लें।

घने कोहरे के कारण दर्जनों ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं। वाराणसी- दिल्ली वंदे भारत ट्रेन करीब 3 घंटे और श्रमशक्ति एक्सप्रेस 5 घंटे देरी से चल रही है। अन्य कई ट्रेनें भी देर से पहुंच रही हैं, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में सड़कों पर धुंध इतनी घनी है कि वाहन चालकों को दिन में भी लाइट ऑन करनी पड़ रही है। कम दृश्यता के कारण यातायात धीमा हो गया है, जिससे सफर खतरनाक हो गया है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि यात्रा से पहले फ्लाइट और ट्रेन की स्थिति जांच लें। वाहन चालकों को सतर्कता बरतने और अतिरिक्त समय लेकर निकलने की सलाह दी गई है। कोहरे और ठंड के इस दौर में सावधानी बेहद जरूरी है। उत्तर भारत में मौसम की यह स्थिति जनजीवन को धीमा कर रही है, ऐसे में सभी को सतर्कता और धैर्य से काम लेना चाहिए।

उपभोक्ताओं को फिर लग सकता है मंहगी बिजली का झटका, टैरिफ बढ़ाने की तैयारी कर रही कंपनियां

जबलपुर, 04 जनवरी। एमपी में बिजली कंपनियों एक बार फिर मंहगी बिजली का झटका देने की तैयारी की जा रही है। प्रदेश की बिजली कंपनियों ने फिर से घाटा दिखाते हुए दाम बढ़ाने की मांग की है। बिजली कंपनियों की ओर से एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी ने राज्य विद्युत नियामक आयोग में वर्ष 2025-26 की टैरिफ याचिका दायर की है।

प्रदेश की बिजली कंपनियों ने 4 हजार 107 करोड़ रुपए का घाटा दिखाते हुए इसकी भरपाई के लिए बिजली की दरों में 7।52 प्रतिशत तक बढ़ाने की मांग की है। इसके बाद राज्य विद्युत नियामक आयोग ने आम जनता से 24 जनवरी तक आपत्तियां बुलाई है। नियामक आयोग ने आपत्तियों पर 11 फरवरी से 14 फरवरी तक सुनवाई करना तय किया है। इसके बाद फैसला होगा कि बिजली के दाम कितने बढ़ाए जाएं या नही। गौरतलब है कि इन मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि नियामक आयोग में आपत्ति दायर की है। वर्ष 2023-24 की सत्यापन याचिका जिसमें 43 से 44 करोड़ रुपए का घाटा बताया जा रहा है।जिसकी प्रतिपूर्ति 2025-26 का टैरिफ बढ़ा कर करने की तैयारी हैं। उन्होने यह भी कहा कि अन्य राज्यों की तुलना में प्रदेश में बिजली सस्ती है, बरगी बांध से 50 पैसे प्रति यूनिट, रिलायंस पावर से 1 रुपए 60 पैसे यूनिट, इंदिरा सागर व सरदार सरोवर बांध से भी बहुत कम दामों में बिजली मिलती है। लेकिन प्रदेश में बिजली कपंनी के कु-प्रबंधन के कारण उपभोक्ता को महंगी बिजली का दंश झेलना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में सबसे महंगी बिजली मध्यप्रदेश में मिलती है। बिजली कंपनी यदि 7 प्रतिशत बिजली की दरों में वृद्धि करती है तो इसका सीधा असर औद्यागिक ईकाईयों पर पड़ेगा। हालांकि नियामक आयोग ने 24 जनवरी तक जो आपत्तियां बुलाई है उमें 11 फरवरी, 13 फरवरी व 14 फरवरी को वीडियो क्रान्फेसिंग के माध्यम से सुनवाई होना है।

मंदसौर के युवा गुरु पं. पवन शर्मा समाज सेवा से सम्मानित

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। विगत कुछ वर्षों र्से युवा गुरु देव पं. पवन शर्मा एवं उनकी टीम अनेक प्रकार के मानव सेवा के कार्य कर रही है जैसे अपने प्रवचन के द्वारा युवा पीढ़ी को धर्म और संस्कारों को सीख देना, अनाथ बचो के जन्मदिन मनाना, ज़रूरतमंद को काम दिलवाना, साइबर फ्रॉड ब्लैकमेल से बच्चियों को बचाना आदि कार्य किये जा रहे है। इस मानव सेवा को देखते हुए गुरुदेव पवन शर्मा का मानव सेवा संस्था भोपाल द्वारा सम्मान किया गया।

उल्लेखनीय है कि पं. पवन शर्मा का पूर्व में भी कई सेवा संस्था ने सम्मान किया है। पं. पवन शर्मा की उम्र 23 वर्ष है। वे विगत दो वर्षों र्अपने सेवा कार्यों र्से मंदसौर सहित जिले का नाम रोशन कर रहे है। पं. पवन शर्मा ने शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर से एम.काम. की डिग्री प्राप्त की है तथा आपने चारों वेदों का अध्ययन कर रखा है। वे विभिन्न धार्मिक आयोजनों में विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती भी मंदसौर में करते है। पं. पवन शर्मा पूज्य गुरूदेव पं. वासुदेवजी शर्मा के पौत्र एवं पं. घनश्यामजी शर्मा के पुत्र है। कतिपय असामाजिक तत्व पं. पवन शर्मा को बदनाम करने व डराने का प्रयास भी करते है लेकिन वह युवा पीढ़ी को भटकने से बचाने के प्रयास में निरंतर लगे हुए है। पं. पवन शर्मा के सम्मानित पर इष्टमित्रों ने बधाई व शुभकामनाएं दी है।

थड़ोद ने खंखराई को हराया, 7 दिनी क्रिकेट स्पर्धा का समापन

पिपलियामंडी, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गांव खंखराई में देवड़ा क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित 7 दिनी क्रिकेट स्पर्धा का समापन हुआ। खंखराई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 212 रन का लक्ष्य रखा, थड़ोद टीम ने फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 14 ओवर में ही मेच जीत लिया। थड़ोद टीम के खिलाडी राहुलसिंह ने 88 रन बनाकर टीम को जीताया व मैन ऑफ द मेच हासिल किया। विजेता रही थड़ोद टीम को 11 हजार रुपए का पुरस्कार कार्यक्रम के अतिथि, मुन्देड़ी पूर्व सरपंच कृष्णपालसिंह शक्तावत की ओर से व उप विजेता खंखराई टीम को 5500 रुपए का पुरस्कार सरपंच भरत पाटीदार की ओर से प्रदान किया। कार्यक्रम के अतिथि प्रदेश भाजयुमो सदस्य संदीपसिंह राठौड, राजेन्द्रसिंह सोनी ने विचार व्यक्त किए। संचालन दलपतसिंह पंवार ने किया। आभार रविराजसिंह देवड़ा ने माना।

गुजराती सेन समाज के चुनाव 25 को

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गुजराती सेन समाज मंदसौर नगर इकाई के वरिष्ठएवं युवा अध्यक्ष का चुनाव आगामी 25 जनवरी 2025, शनिवार को किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए निर्वाचन अधिकारीगण सर्वश्री रामचन्द्र परिहार, सोहनलाल परिहार, अनिल वप्ता, ब्रजेश टांकवाल, लीलाधर गेहलोद, किशोर सेन लाईनमेन, राजेश सौलंकी, राजेश परमार व शंभुसेन राठौर ने बताया कि 25 जनवरी को आयोजित होने वाले चुनाव के लिये जल्द ही निर्वाचन कार्यक्रम व निर्वाचन कार्यस्थल की शीघ्र घोषणा की जाएगी। जिस अनुसार गुजराती सेन समाज मंदसौर नगर के वरिष्ठ अध्यक्ष एवं युवा अध्यक्ष का निर्वाचन किया जाएगा।

पिपलिया में रामकथा जारी, समापन आज

पिपलियामंडी, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। टीलाखेड़ा बालाजी मंदिर परिसर में रिद्धि सिद्धि महिला मंडल की ओर से आयोजित रामकथा में रामकथा प्रवक्ता सीताबहन (वनदेवी आश्रम औंकारेश्वर) प्रस्तुति दे रही है। जिसमें प्रतिदिन विभिन्न प्रंसगों पर रिद्धि सिद्धि महिला मंडल की ओर से महिलाएं कथा प्रसंग पर वेशभूषा धारण कर सजीव प्रस्तुतिकरण कर रही है। शिव-पार्वती के प्रसंग के साथ ही राम जन्मोत्सव में भी कौशल्या व दशरथ की वेशभूषा को धारण किया। दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक चल रही कथा सुनने बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हो रही है। समापन 5 जनवरी को होगा। महिला मंडल की प्रीति अग्रवाल ने बताया कथा प्रवक्ता सीताबहन के आश्रम में जरुरी सामग्री भी महिला मंडल की ओर से प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर मंडल की मधु अग्रवाल, ममता शर्मा, चंदा गुप्ता, नीकिता अग्रवाल, ललिता काला, टमा सेठिया, आशा घाटिया, शशिबाला कौशिक, मनीषा उदिया, सविता सोनी, कृष्णा भूत, अनिता धनोतिया, रीना गुप्ता, श्वेता अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, वंदना पाटीदार, प्रतिभा राठौड, संगीता शर्मा, सुशीला अग्रवाल, नीतू पोरवाल, रेखा अग्रवाल, दीपिका पोरवाल, शांति भूत, कृष्णा गोयल, नीलम पोरवाल आदि उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री व जिला कांग्रेस प्रभारी जयवर्धन सिंह का दौरा कार्यक्रम

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से परिचर्चा के लिए पूर्व मंत्री व जिला कांग्रेस प्रभारी श्री जयवर्धन सिंह जी मंदसौर जिले में दिनांक-07 जनवरी 2025 मंगलवार को आगमन होगा।

आगे की जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने बताया कि श्री जयवर्धन सिंह जी सीतामऊ ब्लॉक व कयामपुर ब्लॉक के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की दोपहर 12:00 बजे शगुन गार्डन सीतामऊ जिला मंदसौर पर कार्यकर्ताओं बैठक में परिचर्चा करेंगे। वही श्री जयवर्धन सिंह जी दोपहर 3:00 बजे शामगढ़ ब्लॉक व सुवासरा ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की बैठक जैन दादावाड़ी सुवासरा जिला मंदसौर पर लेंगे। इस दौरे में श्री जयवर्धन सिंह जी के साथ जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक श्री विपिन जी जैन व मंदसौर लोकसभा से प्रत्याशी रहे श्री दिलीप सिंह जी गुर्जर, सुवासरा विधानसभा प्रत्याशी रहे श्री राकेश पाटीदार जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में चारों ब्लॉक के सभी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ जन, पूर्व विधायकगण, जिला कांग्रेस पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष व पदाधिकारी, मोर्चा संगठन केसभी अध्यक्ष, पदाधिकारी व मंडलम, सेक्टर, अध्यक्ष व सभी कांग्रेस कार्यकर्ता इस बैठक में शामिल होंगे।

राजस्व की वसूली हेतु नपा वार्ड स्तर पर शिविर लगायेगी

मंदसौर, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, राजस्व समिति सभापति श्रीमती कौशल्या बंधवार, सीएमओ सुधीर कुमारसिंह ने बताया कि नगरपालिका के द्वारा 6 जनवरी से 6 फरवरी तक (पूरे एक माह) नपा के बकाया सम्पत्ति कर, समेकित कर, शिक्षा उपकर, नगरीय विकास उपकर, व स्वच्छता शुल्क की वसूली हेतु वार्ड वाईज शिविर लगाये जायेंगे। 5 जनवरी सोमवार को वार्ड नं. 4, 5 व 21 के करों की वसूली हेतु पद्मावती रिसोर्ट के पास शिविर लगाया जायेगा। नागरिकों से नपा निवेदन करती है कि वे इस शिविर में आकर बकाया कर जमा करावे।

शिशु मंदिर शिक्षा, संस्कार व संस्कृति की संगम स्थली-शर्मा

पिपलियामंडी, 04 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में रंगमंचीय कार्यक्रम म्हारो हृदय मालवा आयोजित हुआ। अतिथि सह प्रांत प्रमुख सुंदरलाल शर्मा ने कहा शिशु मंदिर में अध्ययन करने वाला भैया-बहिन संस्कारो के साथ हर विषय को समझते हुए जीवन की सभी चुनौतियों का सामना करते है, इस विद्यालय में पढने वाला विद्यार्थी निश्चित ही अपने माता-पिता व बड़ो का सम्मान करता है, आज विद्या भारती के छात्र विविध क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त कर नेतृत्व प्रदान कर रहे है। मंदसौर नपा अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जिला विभाग समन्वयक राघवेन्द्र देराश्री, राष्ट्रीय आदर्श शिक्षण समिति अध्यक्ष श्रीमती बंटू भूत, सविमं प्राचार्य प्रकाश धाकड़ आदि मंचासीन रहे। प्रधानाचार्य श्रीमती मीना वैष्णव ने किया। स्वागत सचिव पुखराज गुप्ता, समिति सदस्य अशोक कुमठ, श्रीमती मोनिका सेठिया ने किया। प्राचार्य ने वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर भैया-बहिनों ने रंगमंचीय कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व अभिभावक शामिल हुए। संचालन योगमाया माली व वंदना कामरिया ने किया। आभार प्राचार्य प्रकाश धाकड़ ने माना।

अज्ञानता, जड़ता व भय से मुक्त कर दे वही सच्ची शिक्षा-सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में प्रकट कार्यक्रम सम्पन्न हुए। विद्या भारती मालवा संगठन मंत्री योगेश शर्मा ने कहा सा विद्या या विमुक्तये... विद्या भारती का ध्येय वाक्य है, इसी के अनुरूप हमारी शिक्षा व गतिविधियां सम्पन्न होती है, असल में शिक्षा वही है, जो अज्ञान से, भय से, जड़ता से व जीवन की चुनोतियों से मुक्ति दिला सके। शिशु व बालकों का समग्र विकास हो सके। ऐसी गतिविधियां विद्यालय में होनी चाहिए, शिशु मंदिर इसका चिंतन करता है। इस अवसर पर विद्या भारती के आधारभूत विषयों पर प्रकट कार्यक्रम का शुभारम्भ शिशु वाटिका प्रदर्शनी एवं विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन एवं बालाजी पूजन के साथ हुआ। अतिथि नप अध्यक्ष इंदिरा सुनील देवरिया, समाजसेवी जगदीश लौहार, राष्ट्रीय आदर्श शिक्षण समिति सचिव पुखराज गुप्ता, प्राचार्य प्रकाश धाकड़ मंचासीन रहे। अतिथि परिचय प्राचार्य प्रकाश धाकड, स्वागत समिति उपाध्यक्ष दिलीप चावड़ा, श्रीमती बंटू भूत, प्रधानाचार्य श्रीमती मीना वैष्णव, कोषाध्यक्ष संतोष अग्रवाल, अर्पित लक्षकार ने किया। प्रगति प्रतिवेदन प्राचार्य ने प्रस्तुत किया। कन्या पूजन के पश्चात योग शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, संगीत शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियाँ भैया बहिनों ने दी। जिसमें दंबल्स योग, दंड योग, समता, लेजिम नृत्य एवं विद्या भारती के सामूहिक योग व्यायाम की प्रस्तुतियाँ दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले भैया-बहिनों को पुरस्कार प्रदान किया। संचालन पूजा पोरवाल ने किया। आभार प्रधानाचार्य मीना वैष्णव ने माना। 501 दीपक से मां भरती की आरती सम्पन्न हुई।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग मंदसौर (म.प्र.)

E-mail-eepwdmandsaur0@gmail.com Ph-07422-255211

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 13/2024-25/एसएसी/ मंदसौर दिनांक 02.01.2025

✻ निविदा सूचना ✻

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखीत कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर रिफरेन्स क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	ठेके की अनु. राशि (रू. लाख में
1	2	3	4	5	6	7
1	2024_PWDRB_389583_1	मंदसौर	AR SR MOW	उपसंभाग मंदसौर के अंतर्गत मल्हारगढ़ शाखा के शासकीय आवासीय एवं अन्य भवनों में ए.आर. एस.आर. एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य	First	रु.19.97
2	2024_PWDRB_389584_1	मंदसौर	AR SR MOW	उपसंभाग मंदसौर के अंतर्गत सीतामऊ शाखा के शासकीय आवासीय एवं अन्य भवनों में ए.आर. एस.आर. एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य	First	रु.19.97
				Total		रु.39.94

उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (mptenders.gov.in) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 15.01.2025 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

(EMD only RTGS/NEFT)

G-21170/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संभाग, मंदसौर

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार (मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें)

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 86/2025 दिनांक 04.01.2025

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा किशोर पिता पन्नालाल, जाति सूर्यवंशी, निवासी ग्राम सूंठी, तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर से आवासी मकान नं. 312, वार्ड नं. 17, पटवारी हल्का नं. 00008 पर दर्ज होकर पता ग्राम सूंठी, तहसील सीतामऊ, जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्वः त्याग विधिवत रजिस्टर्ड स्वत्व त्याग विलेख ई स्टाम्प कोड क्रमांक एमपी 249412024ए1508831, दिनांक 26.04.2024 से मेरे पक्षकार ज्योतशना पति किशोर जाति सूर्यवंशी, निवासी ग्राम सूंठी, तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय सीतामऊ में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-जेतराम पिता उदा, पश्चिम में-कारु पिता दोला, उत्तर में-कंवरलाल की कृषि भूमि, दक्षिण में-आम रास्ता, पैमाईश रकबा-946.84 वर्ग फीट या 87.96 वर्ग मीटर।

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in